www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 302 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
28 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:54
सूर्यास्तः 05:44
अधिकतमः 18°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 07

विशेष समाचार
अमेरिका की नई रक्षा नीति... >> पेज 04
रेप पीड़ित को धमकाने वाले ... >> पेज 06
हैंडसम होने के कारण नकुल...

पीएम मोदी ने किया भारत- यूरोपीय संघ के बीच 'मदर ऑफ डील्स का ऐलान

18 साल का इंतजार खत्म

यूजीसी के नए नियमों पर मच रहा घमासान

घोषणा

- इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110% से घटकर 10%, प्रीमियम शराब पर 150% की जगह 20% टैक्स

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16वें भारत-EU समिट के दौरान इसका ऐलान किया। इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद भारत में यूरोपीय कारें जैसे कि BMW, मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110% से घटाकर 10% कर दिया जाएगा। >> (शेष पेज 06 पर)

मोदी बोले- 27 तारीख को 27 देशों के साथ एफटीए

भारत-यूरोपीय फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर पीएम मोदी ने कहा कि 27 जनवरी को भारत ने यूरोप के 27 देशों के साथ यह FTA साइन किया है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नई इनोवेशन साझेदारियां बनेंगी और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का रोडमैप है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत और यूरोपीय संघ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में वैश्विक व्यवस्था को लेकर उथल-पुथल है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार बहुत जरूरी हो गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने इंडिया-EU बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में व्यापार तकनीक और रेयर खनिजों को हथियार बनाकर इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, इसलिए भारत और EU को मिलकर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए।

यूरोपीय संघ (EU) की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास और भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'भारत-EU सुरक्षा और रक्षा साझेदारी' समझौते पर हस्ताक्षर किए।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा उन्हें गोवा से जुड़ी पहचान पर गर्व है। उन्होंने खुद को प्रवासी भारतीय बताया और अपना ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) कार्ड दिखाया।

एफटीए से 43 हजार करोड़ के टैरिफ कम होंगे

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से हर साल करीब 4 अरब यूरो (43 हजार करोड़ रुपए) के टैरिफ कम होंगे और भारत व यूरोप में लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

डील से आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिलेगी : शाह

भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने ट्रेड डील को लेकर कहा कि यह भारत के लिए एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक समझौता है। इससे दुनिया के साथ भारत के व्यापार को नई दिशा मिलेगी। यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत और दूरदर्शी विदेश नीति का नतीजा है। इस डील से 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा मिलेगा। यह भारत और यूरोप दोनों के लिए फायदे का सौदा है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए नए मौके खुलेंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

भारत-यूरोप फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 2027 में लागू

भारतीय निर्यात को फायदा

- भारत के 99% से ज्यादा सामान अब यूरोपीय देशों में कम या बिना टैक्स के बिकेंगे।
- कपड़ा, चमड़ा, मछली, ज्वेलरी सेक्टर्स में 33 अरब डॉलर के निर्यात को सीधा फायदा।
- इन सामानों पर लगने वाला 10% टैक्स एफटीए लागू होते ही खत्म हो जाएगा।
- कार और ऑटो सेक्टर में सीमित छूट, ताकि भारतीय कंपनियों को नुकसान न हो।

किसानों के हितों का ख्याल

- भारत ने दूध, अनाज, पोल्ट्री, फल-सब्जी जैसे क्षेत्रों को एफटीए से बाहर रखा है।

प्रोफेशनल्स को फायदा

- भारतीय आईटी, प्रोफेशनल और एजुकेशन सर्विसेज को ईयू में बड़ा बाजार मिलेगा।
- भारतीय कंपनियों और प्रोफेशनल्स को ईयू के 144 सर्विस सेक्टर्स में काम करने का मौका। ईयू को भारत के 102 सर्विस सेक्टर्स में एंट्री मिलेगी।
- भारतीय प्रोफेशनल्स को ईयू में काम और बिजनेस के लिए जाना आसान होगा। डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन सेवाएं और नई तकनीक को बढ़ावा मिलेगा।

कोस्टा बोले- गोवा से जुड़ी पहचान मेरे लिए गर्व की बात

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने खुद को प्रवासी भारतीय बताया। उन्होंने कहा कि मैं यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष हूं, लेकिन साथ ही मैं एक ओवरसीज इंडियन सिटिजन भी हूं। इसलिए, जैसा आप समझ सकते हैं, मेरे लिए इसका एक खास भावनात्मक मतलब है। कोस्टा ने कहा कि मुझे अपनी गोवा से जुड़ी पहचान पर बहुत गर्व है, जहां से मेरे पिता का परिवार आया है। यूरोप और भारत के बीच का रिश्ता मेरे लिए सिर्फ आधिकारिक नहीं, बल्कि निजी भी है।

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों को लेकर विरोध तेज है। मंगलवार को नई दिल्ली में UGC हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई। प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेडिंग की गई। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, रायबरेली, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और कई संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। >> (शेष पेज 06 पर)

परिवर्तन चौक पर UGC के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे करणी सेना के कार्यकर्ता कपड़े फाड़कर अर्धनग्न हो गए।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों?

UGC ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन, 2026।' इसके तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं, सुप्रीम कोर्ट में याचिका, सरकार बोली- कोई भेदभाव नहीं होगा

आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

यूजीसी के खिलाफ करणी सेना का कपड़े उतारकर प्रदर्शन

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (UGC) के नए नियमों के खिलाफ लखनऊ में करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कपड़े फाड़कर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि उन्हें सरकार ने नंगा कर दिया है। जब तक UGC अपने नियम वापस नहीं लेता तब तक बिना कपड़े पहने ही रहेंगे।

परिवर्तन चौक पर करणी सेना के लोगों को प्रदर्शन शाम 4 से 6 बजे तक चला। कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर कूच किया तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। उनके हाथों में UCC लाओ, UGC हटाओ लिखी तख्तियां रहीं। कहा कि कि हमने देश को 525 यूनिवर्सिटी दान की और आज सरकार ने हमें नंगा कर दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय समेत शहर के कई कॉलेजों के स्टूडेंट्स भी सड़क पर उतरे। LU कैंपस के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। LU में भारी पुलिस बल के बीच छात्र गेट नंबर-1 से सड़क पर निकलकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। UGC रोल बैक के नारे लगाए। स्टूडेंट अर्पित तिवारी ने कहा- यूजीसी के जरिए जनरल कैटेगरी के छात्रों को सीधे अपराधी घोषित करने का प्रयास है। वहीं, शशांक जायसवाल ने कहा- यह कानून हमारी दोस्ती तोड़ने के लिए है। आज UGC के खिलाफ हर जाति वर्ग का छात्र प्रदर्शन करने उतरा है।

- लखनऊ में करणी सेना वाले बोले- हमने 525 यूनिवर्सिटी दान की, आज सरकार ने नंगा कर दिया

फास्ट न्यूज

पश्चिम बंगाल में दो गोदामों में आग

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में सोमवार सुबह दो गोदामों में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई। कई मजदूर लापता हैं। पुलिस के मुताबिक, आग सुबह करीब 3 बजे लगी। दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 7 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 10 बजे आग पर काबू पाया।

बर्फबारी अलर्ट

हिमाचल में 4 फीट जमी बर्फ में 7 किलोग्राम चले दूल्हा-दुल्हन

शिमला/श्रीनगर/देहरादून/भोपाल । देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में बर्फबारी जारी है। स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण उत्तर-पश्चिमी राज्यों पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में बारिश के साथ ओले गिर रहे हैं। साथ ही 30-60kmph की रफ्तार से हवा भी चल रही है। हिमाचल के मंडी में केओली पंचायत में 3-4 फीट तक जमी बर्फ के बीच दूल्हा-दुल्हन 7 किलोमीटर पैदल चलकर घर पहुंचे। पहले दूल्हा पैदल चलकर ससुराल पहुंचा था।

लखनऊ में हुई बारिश

लखनऊ में इस समय बारिश शुरू हो गई है। पश्चिमी विक्षोभ का असर कल भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, कल लखनऊ की सुबह बारिश की फुहारों के बीच होगी। बीच-बीच में बिजली भी चमती रहेगी। शाम तक बादल घिरे रहेंगे। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

35 से ज्यादा पार्टियों के सांसद शामिल

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35+ पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश होगा।

- सरकार वीबी-जी रैम-जी कानून पर चर्चा से इनकार 28 जनवरी से शुरू होगा सेशन

इस दिन रविवार है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सरकार अपना एजेंडा शेयर करती है। >> (शेष पेज 06 पर)

अव्यवस्था के चलते मतदान प्रक्रिया पर लगा दी गई रोक, बड़ी धांधली का आरोप

हंगामे की भेंट चढ़ा बार काउंसिल का चुनाव

नारेबाजी

- लखनऊ सहित 17 जिलों में बार काउंसिल के चुनाव हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बार काउंसिल के चुनाव में लखनऊ में वकीलों ने हंगामा कर दिया। पर्चे फाड़कर फेंक दिए और कुर्सियां-मेज भी गिराकर तोड़ दिए। उनका कहना है कि बैलेट पेपर पर एक प्रत्याशी के नाम के आगे पहले से टिक लगा था। चुनाव के नाम पर मजाक किया जा रहा है। सीलपैक पेपर पर टिक लगा होना बड़ी धांधली है। यह वाकया शाम 4 बजे हुए। जब एक वकील ने वोट डालते समय देखा कि प्रत्याशी के नाम के आगे पहले से टिक लगा है। उसने हल्ला मचा दिया जिसके बाद हाईकोर्ट परिसर में हंगामा शुरू हो गया। >> (शेष पेज 06 पर)

1.50 लाख रुपए नामांकन में खर्च हुए

17 जिला मुख्यालयों और आउट लाइंग मुंसिफ कोर्ट परिसरों में बार काउंसिल का चुनाव चल रहा है। बार काउंसिल के सदस्य पद के लिए संयुक्त रूप से कुल 333 वैध प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बता दें कि हर प्रत्याशी को 1.50 लाख रुपए नामांकन शुल्क के रूप में जमा करने के साथ 80 जिलों की मतदाता सूची के लिए अतिरिक्त 25 हजार रुपए का भुगतान करना पड़ा है। >> (शेष पेज 06 पर)

तीसरे चरण में इन जिलों में होगा मतदान

चुनाव अधिकारी के अनुसार, पहले और दूसरे चरण के चुनाव में लखनऊ है। तीसरे चरण में लखनऊ समेत कन्नौज, कानपुर नगर, कासगंज, कौशाम्बी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, लखनऊ, महाराजगंज, महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मऊ, मेरठ, मीरजापुर, मुरादाबाद और मुजफ्फर नगर में मतदान कराया जाएगा। सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी के बीच मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी।

सस्पेंड : यूपी सरकार की बड़ी कार्रवाई ■ शामली के कलेक्टर ऑफिस से अटैच

बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अग्निहोत्री निलंबित

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को शासन ने सस्पेंड कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि, अब तक इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ। माना जा रहा कि जांच पूरी होने के बाद ही सरकार इस्तीफा स्वीकार करेगी।

फिलहाल, अग्निहोत्री को शामली अटैच किया गया है। बरेली कमिश्नर को मामले की जांच सौंपी गई है। मजिस्ट्रेट से सरकारी गाड़ी वापस ले ली गई है। वह मंगलवार सुबह 11 बजे डीएम से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। वे 2 घंटे बाहर धरने पर बैठे रहे। सुबह से वे दो बार कलेक्ट्रेट से आवास जा चुके हैं। मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा इस्तीफा वापस नहीं लूंगा, सरकार से मोहभंग हो गया। अब मुझे आगे क्या करना है, ये समाज तय करेगा। यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। >> (शेष पेज 06 पर)

- देर रात शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने सिटी मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की। कहा- पूरा सनातनी समाज आपसे प्रसन्न है। जो पद आपको सरकार ने दिया था, हम उससे बड़ा पद धर्म के क्षेत्र में आपको देंगे।

अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा, फूट-फूटकर रोए

अयोध्या । यूपी में शंकराचार्य का विवाद अब बढ़ता जा रहा है। अब PM मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी के समर्थन में अयोध्या के GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा- शंकराचार्य की सीएम पर की गई टिप्पणी से उन्हें बहुत बुरा लगा। इससे मैं आहत हूं। मुख्यमंत्री का अपमान मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा-जिस प्रदेश का नमक और रोटी खाता हूं, प्रदेश के वेतन से मेरा परिवार चलता है। अगर उस प्रदेश के मुखिया पर असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया जाएगा, तो मुझे दर्द होगा। मेरे अंदर भी दिल और संवेदना है। क्योंकि मैं यूपी कर्मचारी नियमावली के तहत बंधा हुआ हूं। दो दिनों से इस पीड़ा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था, इसलिए राज्यपाल को इस्तीफा भेज दिया है। >> (शेष पेज 06 पर)

ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़ा ने बाहर निकाला

अखाड़े के पदाधिकारी से बैठक लिया निर्णय

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । किन्नर अखाड़ा से महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी को बाहर कर दिया गया है। इसकी पुष्टि अखाड़े की प्रमुख महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने वीडियो जारी कर किया। उन्होंने कहा अखाड़े के पदाधिकारी से बैठक करके यह निर्णय लिया है। अब ममता कुलकर्णी से अखाड़े का कोई संबंध नहीं है। वह अखाड़े की अधिकारी या सदस्य नहीं हैं। हमारे अखाड़े में महिला भी हैं, पुरुष भी हैं और किन्नर भी हैं। हम किसी तरह का विवाद नहीं चाहते हैं। मौनी अमावस्या के दिन जिस तरह से बटुक ब्राह्मणों को शिखा पकड़कर पीटा गया, इससे हमारी भी नाराजगी है। 25 जनवरी (रविवार) को ममता कुलकर्णी (यामाई ममता नंद गिरि) ने अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर कहा था कि 10 में से 9 महामंडलेश्वर और तथाकथित शंकराचार्य झूठे हैं और उन्हें शून्य ज्ञान है। >> (शेष पेज 06 पर)

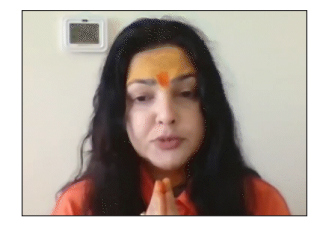

- अविमुक्तेश्वरानंद को फर्जी और 10 में से 9 महामंडलेश्वर को झूठा कहा था

लखनऊ में प्रदर्शन, लगातार 5वें दिन शाखाएं बंद, 2500 करोड़ का क्लियरेंस रुका

5 डे वर्किंग के लिए बैंकों में हड़ताल

आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बैंकों में 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर पूरे यूपी में 27 जनवरी को शाखाओं में हड़ताल रही। 4 दिन लगातार छुट्टी के बाद मंगलवार को पांचवें दिन भी बैंक बंद रहे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर मंगलवार को देशभर के साथ लखनऊ में भी बैंककर्मियों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल की।

लखनऊ में हड़ताल के दौरान बैंककर्मियों ने हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक मुख्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। सभा आयोजित कर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया। मंगलवार की हड़ताल से लखनऊ जिले में 2500 करोड़ रुपए की क्लियरिंग प्रभावित हुई। बैंककर्मियों का कहना है कि लंबे समय से आंदोलन, धरना, रैली और सोशल मीडिया अभियान चलाने के बावजूद केंद्र सरकार उनकी एकमात्र मांग पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है।

> धनंजय सिंह, आकाश शर्मा, यूपी दुबे, करुणेश शुक्ला, तारकेश्वर चौहान, आशुतोष वर्मा, शिवकुमार सिंह, ब्रजेश तिवारी, आरपी सिंह और अमित सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो बैंककर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए मजबूर होंगे।

वू मे हो खुद को देवी बताती है और भक्तों के सामने साड़ी पहनकर आती है।

प्रदर्शन के दौरान कॉमरेड मनमोहन दास ने कहा कि 5 दिवसीय बैंकिंग कोई भीख नहीं बल्कि बैंककर्मियों का अधिकार है और इसके लिए लंबी लड़ाई से भी पीछे नहीं हटेंगे। सभा को लक्ष्मण सिंह, शकील अहमद, संदीप सिंह, वी.के. माथुर, बी.डी. पांडे, एस.डी. मिश्रा, विभाकर कुशवाहा, आनंद सिंह, विशाखा वर्मा और स्वाति सिंह सहित अन्य बैंक नेताओं ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि बैंक हड़ताल से आम जनता को होने वाली असुविधा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

रोज 40 मिनट अतिरिक्त काम को तैयार

यूएफबीयू के प्रदेश संयोजक वाईके अरोड़ा ने कहा कि बैंककर्मी पूरे महीने में केवल 2 से 3 शेष शनिवारों को अवकाश की मांग कर रहे हैं। इसके बदले बैंककर्मी प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य करने को भी तैयार हैं, इसके बावजूद सरकार का अड़ियल रवैया समझ से परे है। सभा में आरएन शुक्ला और एसके संगतानी ने कहा कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) पहले ही इस मांग को स्वीकार कर सरकार के पास अनुमोदन के लिए भेज चुका है, लेकिन सरकार स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

आरबीआई और एलआईसी समेत कई संस्थानों में 5 कार्य दिवस

सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ बैंक इम्प्लॉइज (एनसीबीई) के महामंत्री डी.के. सिंह ने कहा कि जब रिजर्व बैंक, एलआईसी, सेबी, नाबार्ड, एनपीसीआई, सीवीसी, डीएफएस सहित अनेक सरकारी विभागों में 5 दिवसीय कार्य व्यवस्था लागू है, तो बैंकों के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि बैंककर्मी केवल समानता और न्याय की मांग कर रहे हैं, जिसे लगातार नजर-अंदाज किया जा रहा है।

तिरंगा फाउंडेशन कनकहा के द्वारा निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। तिरंगा फाउंडेशन कनकहा के द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसके मुख्य आयोजक मोनू साहू एवं प्रमोद कुमार के द्वारा कनकहा से मोहनलाल गंज तक पदयात्रा निकाली गई जिसमे सैकड़ों की संख्या बच्चे बुजुर्ग और युवाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और यात्रा को सकुशल संपन्न किया जिसमे तिरंगा फाउंडेशन के सदस्य प्रेमचंद, अमरदीप विश्वकर्मा,आफ़ताब खान,सोनू, विनोद साहू, रोहित सिंह, मनोज कनौजिया, शुभम शुक्ला, सुनील गौतम, सैनिक यादव, उत्कर्ष यादव, मिलन बी डी सी, मनोज बी डी सी, निशु मौर्या, अरुण कुमार (सभासद),धर्मेन्द्र राय,संजय रावत, मोबीन ,साजन, रामनिधि कनौजिया, हरिशचंद्र,नितेंद्र मिश्रा, मोनू सिंह, संदीप साहू आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे ।

फास्ट न्यूज

रामलला की 50 हजार की पेंटिंग, मंत्री देखकर चौंके

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (UPITEX) चल रहा है। इसमें 300 से ज्यादा स्टॉल लगे हैं। इनमें हैंडमेड चीजें बिक रही हैं। अलीगढ़ से शेर, हाथी, घोड़े वाले पीतल के ताले आए बिक रहे हैं। सोलर प्लांट के स्टॉल हैं। 27 जनवरी तक चल रहे इस एक्सपो का उद्घाटन योगी सरकार में मंत्री राकेश सचान ने 23 जनवरी को किया।

लखनऊ में ब्यूटी पार्लर के लिए निकली ब्यूटीशियन लापता

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र से 23 वर्षीय ब्यूटीशियन लापता हो गई है। पीड़ित पिता ने एक युवक पर अगवा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दीनदयालपुरम तकरोही निवासी लाल बिहारी पुरी के अनुसार, उनकी बेटी विनीता (23) मुंशी पुलिया स्थित एक पार्लर में काम करती है। 25 जनवरी की सुबह करीब 11 बजे वह रोज की तरह पार्लर जाने के लिए घर से निकली थी। रात 8 बजे तक वापस नहीं लौटी।

कंबोडियाई महिला से सैटेलाइट फोन बरामद

लखनऊ । लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक कंबोडियाई महिला यात्री के पास से प्रतिबंधित सैटेलाइट फोन बरामद किया है। महिला लखनऊ से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट से यात्रा करने वाली थी। सुरक्षा जांच के दौरान संदिग्ध डिवाइस मिलने पर CISF ने तत्काल उसे रोक लिया और मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

दुकान में बमबाजी करने वाले पांच लोग गिरफ्तार

10 लाख रंगदारी न मिलने पर की घटना, लूट के मोबाइल से देते धमकी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र में एस.आर. ट्रेडर्स बिल्डिंग पर दिनदहाड़े बम फेंकने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 10 लाख रुपए की रंगदारी न मिलने पर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में गैंग सरगना समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

डीसीपी वेस्ट विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया- 16 जनवरी 2026 को शाम करीब 5:30 बजे ग्राम सिकरौरी स्थित एस.आर. ट्रेडर्स की बिल्डिंग पर अज्ञात बदमाशों ने बम फेंका था। ये बिल्डिंग ठकवा मलिहाबाद निवासी अंकित कुमार सिंह पुत्र मानसिंह की थी। इसके पहले उनसे मोबाइल फोन पर धमकी देकर 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए टीमों का गठन किया गया। सोमवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शेखपुरवा मोड़ से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इन्द्रेश कुमार सिंह (गैंग सरगना), ज्ञानेन्द्र कुमार, राज उर्फ राजा, मोनू और अंकित कुमार के रूप में हुई।

लूट के मोबाइल से दी जाती थी रंगदारी की धमकी

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि अभियुक्तों ने 11 जनवरी 2026 को थाना मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम जगतापुर में एक व्यक्ति से मोबाइल फोन लूटा था। इसी लूटे गए मोबाइल का इस्तेमाल कर एस.आर. ट्रेडर्स के मालिक को फोन कर 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। रंगदारी न मिलने पर 16 जनवरी को बम फेंककर दहशत फैलाने की साजिश रची गई।

लखनऊ के अस्पतालों में मरीजों की उमड़ी भीड़

लखनऊ । लखनऊ के सरकारी अस्पताल दो दिन की छुट्टी के बाद मंगलवार को खुले तो भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही OPD में मरीजों की लंबी कतार देखी गई। इनमें मौसमी बीमारियों के मरीज सबसे ज्यादा रहे। इसके अलावा पुराना उपचार पाने वाले मरीजों की भी बड़ी संख्या रही। रजिस्ट्रेशन से लेकर डॉक्टर चैम्बर के बाहर और दवा काउंटर पर भी लंबी कतार देखी गई। वहीं, मेडिकल कॉलेजों में दो दिन के अवकाश के चलते उपचार और परामर्श से वंचित रहे मरीज सुबह से ही अस्पताल पहुंचने लगे, जिससे पंजीकरण काउंटरों पर लंबी लाइन लग गई। KGMU, SGPGI और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान सहित सभी मेडिकल कॉलेजों में भी सुबह से ही भीड़ रही। कई मरीज तड़के ही अस्पताल पहुंच गए, ताकि समय रहते पर्ची बनवाकर चिकित्सक से परामर्श मिल सके। कमोवेश यही हालात, बलरामपुर अस्पताल, सिविल अस्पताल, लोकबंधु अस्पताल सहित बाकी अस्पतालों में भी यही हाल रहा।

दिल्ली में खराब मौसम से 3 उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

चंडीगढ़, पुणे और रायपुर से दिल्ली आने वाली फ्लाइट भी डायवर्ट की गईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । दिल्ली में मंगलवार सुबह मौसम अचानक खराब हो गया, जिसके चलते वहां उतरने वाली तीन यात्री उड़ानों को लखनऊ एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना पड़ा। ये सभी विमान थोड़े-थोड़े अंतराल पर लखनऊ पहुंचे। फिलहाल दिल्ली में मौसम सामान्य होने का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद इन उड़ानों को दोबारा दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, चंडीगढ़ से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-1862 सुबह 10:55 बजे दिल्ली पहुंचने वाली थी। लेकिन खराब मौसम के कारण विमान को कई चक्कर

लगाने पड़े और एटीसी से लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया, जो करीब 11:40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। इसी तरह पुणे से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-1838 भी मौसम खराब होने के कारण दिल्ली में लैंड नहीं कर सकी। यह विमान निर्धारित समय पर दिल्ली पहुंचा, लेकिन बाद में इसे भी लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया और यह करीब 11:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। इसके अलावा रायपुर से 11:10 बजे दिल्ली पहुंचने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-1812 को भी दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं मिली। खराब मौसम के चलते इस उड़ान को भी लखनऊ भेज दिया गया, जो दोपहर करीब 12 बजे यहां पहुंची। फिलहाल तीनों विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर खड़े हैं और इनमें सवार यात्री भी विमान के भीतर ही मौजूद बताए जा रहे हैं। एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि जैसे ही दिल्ली का मौसम सामान्य होगा, इन सभी उड़ानों को उनके गंतव्य दिल्ली के लिए रवाना कर दिया जाएगा।

सरगना शुभम का करीबी, लखनऊ से दबोचे गए बर्खास्त सिपाही को गिरोह से जोड़ा था

कोडीन कफ सिरप तस्करी में विकास सिंह गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के मामले में यूपी एसटीएफ को एक और बड़ी सफलता मिली है। इस हाई-प्रोफाइल नेटवर्क से जुड़े शुभम जायसवाल के सबसे करीबी सहयोगी विकास सिंह नरवे को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसटीएफ लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी। गिरफ्तारी के बाद तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई अहम खुलासों की उम्मीद जताई जा रही है।

जांच में सामने आया है कि विकास सिंह नरवे ही शुभम जायसवाल को इस नेटवर्क के बड़े चेहरों अमित टाटा और आलोक सिंह से मिलवाने वाला अहम कड़ी है।

एसटीएफ सूत्रों का कहना है कि विकास सिंह नरवे की गिरफ्तारी से कोडीन कफ सिरप तस्करी के नेटवर्क से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं। पूछताछ के दौरान उसके संपर्कों, सप्लाई चैन और आर्थिक लेन-देन की गहन जांच की जा रही

एसटीएफ के अनुसार, इसी संपर्क के जरिए कोडीन कफ सिरप की सप्लाई और तस्करी का नेटवर्क और मजबूत हुआ। विकास की भूमिका केवल संपर्क सूत्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह पूरे नेटवर्क के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

कई जिलों में दर्ज हैं गंभीर आपराधिक मामले

एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, विकास सिंह नरवे का आपराधिक इतिहास भी काफी लंबा है। उसके खिलाफ आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी सहित कई जिलों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में अवैध तस्करी, आपराधिक साजिश और नेटवर्क संचालन से जुड़े आरोप शामिल बताए जा रहे हैं। विकास सिंह नरवे यूपी एसटीएफ की रडार पर काफी समय से था। कोडीन कफ सिरप तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क के खुलासे के बाद उसकी तलाश तेज कर दी गई थी। तकनीकी सर्विलांस और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर आखिरकार एसटीएफ ने उसे दबोच लिया।

लखनऊ में स्कूटी छूने के विरोध पर बमबाजी

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में 22 जनवरी की रात स्कूटी छूने के मामूली विवाद के बाद बदमाशों ने निजी कंपनी के कर्मचारी के घर पर बम से हमला कर दिया। गनीमत रही कि बम मकान की छत पर फटे और परिजन बाल-बाल बच गए। इंदिरानगर पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। CCTV फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। उपेंद्र कुमार सिंह परिवार के साथ बसंत कुंज सेक्टर-14 में रहते हैं। उनके मुताबिक, 22 जनवरी की रात वह अपनी एसयूवी से 2 बेटों के साथ घर लौट रहे थे। नया पावर हाउस सेक्टर-14 के मोड़ पर तेज रफ्तार स्कूटी उनकी गाड़ी को छूते हुए निकल गई। स्कूटी पर सवार दो युवकों ने गाली-गलौज भी की। कुछ दूरी पर जाकर उपेंद्र ने स्कूटी छूने का विरोध किया तो आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। इसके बाद उपेंद्र घर पहुंच गए। आरोप है कि करीब आधे घंटे बाद, रात 8:15 बजे जब वह एसयूवी से सामान निकाल रहे थे, तभी स्कूटी और बाइक से आए पांच लोगों ने उन पर बम फेंक दिया।

तालकटोरा में मिट्टी धंसी, नाबालिग की मौत

रेलवे अंडरपास निर्माण में हादसा, दो अन्य गंभीर घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ के तालकटोरा में रेलवे अंडरपास निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से एक नाबालिग मजदूर की मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना सोमवार शाम आलमनगर वेयरहाउस के पास हुई।

जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब 7 बजे अंडरपास में खुदाई का कार्य चल रहा था। गणतंत्र दिवस की छुट्टी के बावजूद यह काम जारी था। अचानक ऊपर से मिट्टी भरभराकर सुरंग के अंदर गिर गई, जिससे भीतर काम कर रहे चार मजदूर मलबे में दब गए।

हादसे में सीतापुर जिले के कचनार गांव निवासी 17 वर्षीय विपिन पुत्र सेवक राम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कचनार निवासी 16 वर्षीय विनीत पुत्र साधू

और सुल्तानपुर के रामपुर नवागांव निवासी लगभग 20 वर्षीय रोहित पुत्र रामनरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही तालकटोरा पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद मिट्टी हटाकर दबे मजदूरों को बाहर निकाला गया। डॉक्टरों ने विपिन को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने माल ढुलाई से प्राप्त किया 2 हज़ार 939 का राजस्व

उपलब्धि

तमसा संकेत, संवाददाता

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने इस वित्त वर्ष 2025-26 में मात्र 295 दिनों के भीतर माल ढुलाई में 2,939 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 10 दिन पहले प्राप्त की गई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे ने बेहतर परिचालन दक्षता और प्रभावी राजस्व नियोजन कर इस वित्त वर्ष 2025-26 में मात्र 295 दिनों के भीतर माल ढुलाई में 2,939 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त कर लिया है।महाप्रबंधक श्री अमिताभ के कुशल नेतृत्व में उत्तर पश्चिम रेलवे ने 20 जनवरी 2026 तक 6,690 करोड़ रुपए की अब तक की सबसे अधिक राजस्व प्राप्ति दर्ज की है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 6,358 करोड़ रुपए थी। यह 5.22% की वृद्धि दर्शाती है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 दिन पहले हासिल की गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने राजस्व अर्जित करने के सभी क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि दिखाई है:यात्री राजस्व 2,733 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,971 करोड़ रूपये हो गया, जो 8.71% की वृद्धि दर्शाता है,माल ढुलाई से होने वाली आय 2,833 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,939 करोड़ रुपए हो गई, जो 3.72% की वृद्धि दर्शाती है,अन्य कोचिंग सेवाओं से होने वाली आय 271 करोड़ रुपए से बढ़कर 289 करोड़ रुपए हो गई, जो 6.69% की वृद्धि दर्शाती है।

हंगामा: बोले- आपका ओएसडी मेरा वार्ड चला रहा है, लखनऊ नगर निगम सदन में धक्का-मुक्की

मेयर को माता जी कहकर रोए भाजपा पार्षद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम का आज सामान्य सदन हुआ। सुबह 11 से शाम 7 बजे तक सदन चला। बीच में 30 मिनट और 10 मिनट के लिए 2 बार सदन स्थगित हुआ। सपा और कांग्रेस पार्षद सामान्य सदन से पहले पुनरीक्षित बजट को लेकर हंगामा किया। भाजपा पार्षद एकजुट होकर मेयर के पक्ष में आ गए। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- मैंने सामान्य सदन और पुनरीक्षित बजट दोनों का प्रस्ताव भेजा था।

सामान्य सदन 4 महीने से नहीं हुआ था, इसलिए पहले सामान्य सदन रखा गया है। अपर आयुक्त ललित कुमार ने जवाब दिया कि पुनरीक्षित बजट की पहले से मंजूरी लेनी होती है, इसलिए सामान्य बजट किया गया है। फिलहाल, मेयर और अपर नगर आयुक्त के जवाब से सपा-कांग्रेस पार्षद संतुष्ट नहीं हुए।

हंगामा जारी रखा। इसके बाद डूडा के फर्जीवाड़े का मुद्दा उठा। भाजपा पार्षद अरुण राय ने कहा- डूडा की कॉलोनी में अफसरों ने 1.50 लाख लेकर मनीष का घर मुस्लिम परिवार को दे दिया। कुछ देर बाद सीवर और पेयजल समस्या का मुद्दा सदन में गूंज उठा।

इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस और भाजपा पार्षद एकजुट नजर आए। सभी कार्यदायी कंपनी स्वेज इंडिया को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसको लेकर हंगामा हुआ। बीजेपी पार्षद अमित चौधरी का मेयर से तकरार हो गया। वह रोने लगे। उन्होंने कहा- मेरा वार्ड मेयर सुषमा खर्कवाल का OSD चला रहा है। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ। 30 मिनट तक सदन स्थगित रहा।

पार्षद अनुराग मिश्रा अन्नू ने कहा कि नगर निगम की तरफ से जो नए ट्रेड लाइसेंस पर फीस बढ़ाने का निर्णय लिया गया था, अब उसे स्थगित कर कमेटी का गठन किया गया है।

टैक्स वसूली करने आने वालों की आईडी जरूर देखें

मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि अगर आपके यहां नगर निगम से कोई टैक्स लेने के लिए आता है तो उसकी आईडी जरूर देखें। आजकल कई ऐसे लोग शहर में घूम रहे हैं जो फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। अगर ऐसा करते हुए कोई मिले तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

पार्षदों ने एनओसी के मुद्दे को उठाया

पार्षदों ने नक्शे की NOC LDA के पास जाने को लेकर सदन में सवाल उठाए। पार्षदों ने मांग किया कि इसे वापस नगर निगम में लाया जाए। पार्षद यायावर हुसैन रेशु ने कहा कि इससे नगर निगम को नुकसान हो रहा है। इसे सही किया जाना चाहिए। कितने संपत्ति पर अतिक्रमण हटाया गया। इस पर मेयर ने पूछा तो अपर नगर आयुक्त ने बताया कि 262 जगहों पर बोर्ड लगा है। 21 जगह पर तारबाड़ लगाया गया है। 202 गाटे पर कार्रवाई हुई है। मेयर ने NOC के मुद्दे पर नगर आयुक्त से कहा कि आप लेटर लिखिए। ट्रैफिक में सुधार पर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले साल से अभी 6 टेंडर चल रहे हैं।

परेड में पुलिस बलों की एकरूपता, सजगता और पेशेवर दक्षता स्पष्ट रूप से देखने को मिली

गणतंत्र दिवस पर अम्बेडकर नगर पुलिस लाइन में भव्य परेड

प्रदर्शन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को परेड ग्राउंड रिजर्व पुलिस लाइन, अम्बेडकरनगर में भव्य रैतिक परेड का आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित, अनुशासित और उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। परेड में पुलिस बलों की एकरूपता, सजगता और पेशेवर दक्षता स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली गई। इसके बाद परेड का निरीक्षण किया गया। परेड के मंच के समक्ष गुजरते समय टुकड़ियों द्वारा 'दाहिने देख' की कार्यवाही का प्रदर्शन किया गया, जिसका अभिवादन मंच से स्वीकार किया गया। यह क्षण अनुशासन और समर्पण का प्रतीक रहा।

परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा शपथ-पत्र का वाचन कर सभी टुकड़ियों को संविधान के प्रति निष्ठा और कर्तव्यपालन की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात मंच से तीन रंगों के गुब्बारे छोड़े गए, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रतीक रहे।

जनपद में सराहनीय कार्य के लिए पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा प्रशंसा चिन्ह प्रदान किए गए।

आधुनिक पुलिस व्यवस्था की झलक

परेड में पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों की टुकड़ियों के साथ आपात सेवा 112 की दोपहिया और चारपहिया पीआरवी, कमांडो दस्ता, महिला प्रबला दस्ता, रेडियो यूनिट, फील्ड यूनिट, दंगा नियंत्रण वाहन, फायर सर्विस तथा मिशन शक्ति टीम शामिल रही। सभी इकाइयों ने तालमेल और दक्षता के साथ मार्च कर आधुनिक पुलिस व्यवस्था की झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव सहित अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परेड में शामिल जवानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

> मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में परेड के अनुशासित संचालन और जवानों के जज्बे की सराहना की गई। परेड में शामिल बलों की तत्परता और समर्पण को सराहनीय बताया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

एम.आर.ए. मेडिकल कॉलेज में शुरू सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा चार दिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनवरी माह को सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाते हुए एम.आर.ए. मेडिकल कॉलेज, अम्बेडकर नगर के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की ओर से सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा आम जनसमुदाय को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि सर्वाइकल कैंसर उन चुनिंदा कैंसरों में से है, जिनकी समय पर स्क्रीनिंग और एचपीवी टीकाकरण के माध्यम से रोकथाम संभव है। प्रारंभिक अवस्था में पहचान होने पर इसका इलाज भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इसी संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाने के लिए कॉलेज परिसर में विविध गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्क्रीनिंग एवं रोकथाम से जुड़े अकादमिक सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण, जांच की विधियां और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों और प्रतिभागियों को रचनात्मक तरीके से जागरूकता संदेश प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। क्विज प्रतियोगिता और अकादमिक सत्रों के माध्यम से मेडिकल छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

चार दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा तय

जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ 27 जनवरी को किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के अंतर्गत रेजिडेंट्स द्वारा सर्वाइकल कैंसर से संबंधित विषयों पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 28 जनवरी को मेडिकल छात्रों के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें छात्रों की भागीदारी के माध्यम से विषय की समझ को परखा जाएगा। 29 जनवरी को नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से आम जनसमुदाय तक सरल भाषा और प्रभावी प्रस्तुति के जरिए सर्वाइकल कैंसर से जुड़े जागरूकता संदेश पहुंचाए जाएंगे। 30 जनवरी को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जो सभी के लिए खुली रहेगी।

फास्ट न्यूज

महामाया मेडिकल कॉलेज में गणतंत्र दिवस समारोह

अंबेडकर नगर। महामाया मेडिकल कॉलेज सदरपुर में 77वाँ गणतंत्र दिवस सोमवार को गरिमामय और व्यवस्थित वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एकेडमिक ब्लॉक के सामने तिरंगा फहराने के साथ हुआ। ध्वजारोहण कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव द्वारा संकाय सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारी और छात्र मौजूद रहे।

राम हरख सरस्वती शिशु मंदिर में ध्वजारोहण और पुष्प अर्पण के साथ कार्यक्रम संपन्न

अंबेडकरनगर। सोमवार को देशभर में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर अंबेडकरनगर के राम हरख सरस्वती शिशु मंदिर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 77वां गणतंत्र दिवस भव्य और अनुशासित तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ। इस अवसर पर प्रबंधक उदय प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और देशभक्ति गीतों के बीच उपस्थित छात्रों और कर्मचारियों ने तिरंगे को सलामी दी।

चैंप्स फेलिसिटेशन 2025: मेधावी छात्र-छात्राओं को मिला सम्मान

अंबेडकरनगर। सामाजिक संस्था टीएमटी की ओर से चैंप्स फेलिसिटेशन 2025 का आयोजन सेंट पीटर स्कूल, अकबरपुर में किया गया। कार्यक्रम संस्था के सचिव नजमुल हसन रिजवी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। संयोजन अबूतुराब नकवी ने किया, जबकि संचालन रेहान जैदी ने किया।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में जलालपुर में ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए नए नियमों के खिलाफ जलालपुर में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। उपजिलाधिकारी को दिए गए इस ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी के नए प्रावधानों से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रेखांकित किया गया और संबंधित बिल को वापस लिए जाने की मांग की गई।

यह ज्ञापन संत प्रसाद पांडे के नेतृत्व में तथा अतेंद्र त्रिपाठी के संयोजन में दिया गया। ज्ञापन सौंपने वालों ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों के चलते छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों को कई तरह की व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे उच्च शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नए नियमों से शिक्षण प्रक्रिया, नियुक्तियों और अकादमिक ढांचे में असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। साथ ही यह भी कहा गया कि बिना पर्याप्त संवाद और जमीनी स्थितियों को समझे नियम लागू किए जाने से शैक्षणिक संस्थानों की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। ज्ञापन पर अधिवक्ता महेंद्र सिंह, अधिवक्ता सत्य प्रकाश मिश्रा, आशुतोष श्रीवास्तव, विमलेश दुबे, ब्रह्म प्रकाश तिवारी, मंजुल, जीवन प्रकाश, हरि मोहन चतुर्वेदी सहित दर्जनों लोगों ने हस्ताक्षर कर समर्थन दर्ज कराया। सभी ने एक स्वर में नए नियमों पर पुनर्विचार की मांग की।

भीटी के जमोलीगंज बाजार में शराब ठेके पर लूट व फायरिंग का खुलासा

स्वाट-सर्विलांस व थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के भीटी थाना क्षेत्र अंतर्गत जमोलीगंज बाजार में देशी शराब के ठेके पर हुई लूट और फायरिंग की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण कर लिया है। संयुक्त पुलिस टीम ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लूट की गई नकदी 26,900 रुपये और दो अवैध देशी तमंचे व कारतूस बरामद किए हैं। घटना के बाद से फरार चल रहे दोनों आरोपी पड़ोसी जनपद सुल्तानपुर के निवासी बताए जा रहे हैं।

प्रेस वार्ता में अपर पुलिस अधीक्ष(पश्चिमी) हरेंद्र कुमार ने बताया कि यह वारदात 21 जनवरी 2026 की रात जमोलीगंज बाजार में स्थित देशी शराब के ठेके पर हुई थी। जानकारी के अनुसार दो मोटर-साइकिल सवार बदमाश ठेके पर पहुंचे और वहां मौजूद सेल्समैन से नकदी लूटने लगे। सेल्समैन द्वारा विरोध किए जाने पर बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था।

फायरिंग और लूट की गंभीर घटना को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। घायल सेल्समैन के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले की गहराई से पड़ताल की। जांच में यह सामने आया कि बदमाश लगभग 40 हजार रुपये लूटकर फरार हुए थे। घटना के खुलासे के लिए थाना भीटी पुलिस के साथ स्वाट और सर्विलांस टीम को लगाया गया। लगातार मिल रहे इनपुट और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस को आरोपियों की लोकेशन की जानकारी मिली। इसके बाद 26 जनवरी की शाम थाना भीटी क्षेत्र के ग्राम महापारा स्थित बुद्धूलाल की बगिया के पास घेराबंदी कर दो युवकों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से लूट की रकम में से 26,900 रुपये, दो देशी तमंचे और जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चन्दू निषाद उर्फ चन्द्रपाल और अभिषेक निषाद के रूप में हुई है।

एनटीपीसी टांडा में 77वाँ गणतंत्र दिवस उमंग स्टेडियम में दिखा अनुशासन

तमसा संकेत, संवाददाता

टांडा। एनटीपीसी टांडा में 77वाँ गणतंत्र दिवस सोमवार को आवासीय परिसर स्थित उमंग स्टेडियम में हर्षोल्लास एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके पश्चात राष्ट्रगान और एनटीपीसी गीत का सामूहिक गायन किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। आयोजित परेड में डालीम्स स्कूल, विवेकानंद शिशुकुंज, विद्युत परिषद राजकीय इंटर कॉलेज, बेसिक प्राइमरी स्कूल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तथा आवासीय परिसर सुरक्षा बल की टुकड़ियों ने अनुशासित मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। परेड ने आयोजन में गरिमा और औपचारिकता का समावेश किया।

मुख्य अतिथि ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्र निर्माण में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका, सुरक्षा के प्रति सतर्कता, अनुशासन तथा संगठनात्मक एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यस्थल पर जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में ब्लूमिंग बड्स, बाल भवन, विद्युत परिषद राजकीय इंटर कॉलेज, विवेकानंद शिशुकुंज, ज्ञान ज्योति स्कूल और डालीम्स स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। नृत्य और गीतों के माध्यम से बच्चों ने दर्शकों की सराहना प्राप्त की।

प्रसव के बाद महिला की मौत

ऑपरेशन के कुछ घंटों बाद बिगड़ी हालत, 12 घंटे में मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जनपद के अकबरपुर क्षेत्र स्थित कल्याण हॉस्पिटल में प्रसव के बाद एक नवविवाहिता महिला की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। ऑपरेशन के जरिए बच्चे के जन्म के कुछ ही घंटों बाद महिला की हालत बिगड़ने और उपचार के अभाव में मौत होने का आरोप परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लगाया है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर आक्रोश व्याप्त है, वहीं घटना को दबाने की कोशिश के आरोप भी सामने आए हैं। परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन के कुछ घंटों बाद ही प्रसूता की हालत अचानक बिगड़ने लगी। अस्पताल स्टाफ को इसकी जानकारी देने के बावजूद प्रभावी उपचार नहीं किया गया। आरोप है कि न तो समय रहते वरिष्ठ चिकित्सक बुलाए गए और न ही महिला को किसी उच्च चिकित्सा संस्थान में रेफर किया गया। हालत लगातार बिगड़ती चली गई और करीब 12 घंटे के भीतर महिला की मौत हो गई। मृतका की शादी लगभग एक वर्ष पूर्व ही हुई थी। नवविवाहिता की प्रसव के बाद मौत से परिजनों के साथ-साथ गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने इसे सीधी चिकित्सकीय लापरवाही का मामला बताया है और अस्पताल प्रबंधन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पूरे प्रकरण को दबाने का प्रयास किया। रात में हुई घटना की सूचना न तो तत्काल पुलिस को दी गई और न ही स्वास्थ्य विभाग को। परिजनों का कहना है कि महिला की मौत के बाद अस्पताल परिसर में गतिविधियां सीमित रखी गईं और बाहरी लोगों को जानकारी नहीं मिलने दी गई।

रिश्तेदारी और दबाव की चर्चाएं

सूत्रों के अनुसार कल्याण हॉस्पिटल के संचालक और मृतका के परिजनों के बीच रिश्तेदारी का संबंध भी बताया जा रहा है। इसी आधार पर मामले को आपसी सहमति से शांत कराने की कोशिश की जा रही है। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में सामाजिक और जातिगत दबाव भी सामने आ रहा है, जिसके चलते पीड़ित परिवार खुलकर शिकायत दर्ज कराने से हिचक रहा है।

सम्मनपुर क्षेत्र की रहने वाली थी मृतका

घटना सम्मनपुर थाना क्षेत्र के हिलालपुर माजीसा गांव से जुड़ी है। गांव निवासी सतीश वर्मा ने अपनी पत्नी सोल्डी को प्रसव के लिए अकबरपुर स्थित कल्याण हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। परिजनों के अनुसार बीती रात लगभग 12 बजे ऑपरेशन के माध्यम से सोल्डी ने एक पुत्र को जन्म दिया। शुरुआती तौर पर महिला और नवजात दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई।

जिले में यूजीसी के काले कानून के खिलाफ राजनीतिक हलचल तेज

प्रदेश के कद्दावर नेता कृष्ण कुमार पांडेय उर्फ कक्कू के नेतृत्व में अभियान का आगाज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के कथित काले कानून के विरोध में अंबेडकरनगर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश के कद्दावर नेता कृष्ण कुमार पांडेय उर्फ कक्कू ने सैकड़ों समर्थकों के साथ "यूजीसी काला कानून हटाओ अभियान" की औपचारिक शुरुआत की। नगर क्षेत्र स्थित कक्कू पांडेय के कैंप कार्यालय पर आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में नेता, अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के माध्यम से यूजीसी के नए प्रावधानों को लेकर विरोध दर्ज कराया गया।

नगर क्षेत्र में स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित बैठक को आंदोलन की दिशा और दशा तय करने वाला अहम पड़ाव माना जा रहा है। बैठक में वक्ताओं ने यूजीसी के हालिया नियमों को शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के हितों के खिलाफ बताया। बैठक में मौजूद नेताओं ने एक स्वर में कहा कि यह कानून उच्च शिक्षा की स्वायत्तता पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ प्रदेशव्यापी जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए कृष्ण कुमार पांडेय उर्फ कक्कू ने कहा कि यूजीसी के नए नियम शिक्षा जगत में अस्थिरता पैदा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के भविष्य को प्रभावित करेगा। पांडेय ने साफ कहा कि जब तक यह कानून वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने समर्थकों से संगठित होकर शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती में गणतंत्र दिवस समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकर नगर। विकासखंड भियांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह सोमवार को हर्षोल्लास और अनुशासित वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, अभिभावक और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अंजु, रोली, शिखा, नैना, आंशी और सोनम द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। स्वागत गीत आंशी और शेजल ने प्रस्तुत किया। अंजु, नैना और सोनम ने नृत्य की प्रस्तुति दी।

आंशी, अंजु, अर्चना, रजनी, अंजलि और प्रिया ने 'बड़ा नीक लागे अपने देशवा कै माटी' पर नृत्य किया। अर्चना, हिमांशी, आंशी, शेजल, मानवी और नैना ने 'भारत है पहचान मेरी, तिरंगा शान मेरी' गीत पर प्रस्तुति दी। वहीं प्रियांशी, नैंसी, पंखुड़ी, अनामिका, अर्चना और अंतिमा ने 'पहरा तिरंगा' देशभक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक राज बहादुर मिश्रा ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान की गरिमा, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता बताई। इस दौरान प्रदीप कुमार मौर्य, राजकरन प्रजापति और अरशद कमाल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया।

बैठक : जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में हुई अहम समीक्षा बैठक

औद्योगिक विकास को नई दिशा, सामान्य सुविधा केन्द्र/क्लस्टर स्थापना पर मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने और स्थानीय कारीगरों व उद्यमियों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सामान्य सुविधा केन्द्र/क्लस्टर स्थापना को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की।

बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित सामान्य सुविधा केन्द्रों के माध्यम से जनपद के कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और लघु उद्यमियों को एक ही स्थान पर आधुनिक मशीनरी, तकनीकी प्रशिक्षण, डिजाइनिंग, पैकेजिंग, मार्केटिंग और परीक्षण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे न केवल उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि बाजार तक पहुंच भी सशक्त होगी। समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि क्लस्टर स्थापना का मुख्य उद्देश्य जनपद में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग और रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक तकनीक से जोड़कर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजना की सफलता के लिए समयबद्ध कार्ययोजना और स्पष्ट जिम्मेदारियां तय करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्लस्टर स्थापना से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, ताकि इसका लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे।

प्रस्ताव, भूमि और वित्तीय प्रावधानों पर हुई चर्चा

बैठक में क्लस्टर स्थापना से जुड़े प्राप्त प्रस्तावों, भूमि की उपलब्धता, आधारभूत सुविधाओं की स्थिति, विभागीय समन्वय, वित्तीय प्रावधानों और शासन स्तर पर अनुमोदन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ लंबित प्रस्तावों को शीघ्र पूर्ण करें, ताकि उन्हें समयबद्ध तरीके से शासन को प्रेषित किया जा सके।

> बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रस्तावित सामान्य सुविधा केन्द्रों की जानकारी अधिक से अधिक स्थानीय कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और लघु उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इससे पात्र लाभार्थियों की सहभागिता बढ़ेगी और योजना का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देगा।

यूजीसी के काले कानून के खिलाफ राजनीतिक हलचल तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के कथित काले कानून के विरोध में अंबेडकरनगर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश के कद्दावर नेता कृष्ण कुमार पांडेय उर्फ कक्कू ने सैकड़ों समर्थकों के साथ "यूजीसी काला कानून हटाओ अभियान" की औपचारिक शुरुआत की। नगर क्षेत्र स्थित कक्कू पांडेय के कैंप कार्यालय पर आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में नेता, अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के माध्यम से यूजीसी के नए प्रावधानों को लेकर विरोध दर्ज कराया गया। नगर क्षेत्र में स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित बैठक को आंदोलन की दिशा और दशा तय करने वाला अहम पड़ाव माना जा रहा है। बैठक में वक्ताओं ने यूजीसी के हालिया नियमों को शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के हितों के खिलाफ बताया। बैठक में मौजूद नेताओं ने एक स्वर में कहा कि यह कानून उच्च शिक्षा की स्वायत्तता पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ प्रदेशव्यापी जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए कृष्ण कुमार पांडेय उर्फ कक्कू ने कहा कि यूजीसी के नए नियम शिक्षा जगत में अस्थिरता पैदा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के भविष्य को प्रभावित करेगा। पांडेय ने साफ कहा कि जब तक यह कानून वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

> प्रदेश के कद्दावर नेता कृष्ण कुमार पांडेय उर्फ कक्कू के नेतृत्व में अभियान का आगाज

सम्पादकीय

यूजीसी के नए नियम

इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की ओर से लागू किए गए नए नियम इस कारण निशाने पर हैं कि वे बदले की कार्रवाई का जरिया बन सकते हैं। इसकी बड़ी वजह नए नियमों में भेदभाव को स्पष्ट रूप से परिभाषित न किया जाना तो है ही, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई न करने का प्रविधान भी है। चूंकि इन नियमों को लेकर हो रहे विरोध का दायरा बढ़ता जा रहा है और विरोध करने वालों में सत्तारूढ़ भाजपा के नेता भी हैं, इसलिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इन पर नए सिरे से विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

इसी के साथ इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है और इसके तहत यूजीसी के नए नियमों को सामान्य बनाम अन्य के रूप में रेखांकित करने की कोशिश की जा रही है। इस क्रम में कुछ भ्रम भी फैलाए जा रहे हैं। यूजीसी के नए नियमों के अनुसार सभी शिक्षा संस्थानों को समानता अवसर केंद्र बनाने होंगे, जिनमें एससी-एसटी के साथ ओबीसी वर्ग के छात्र, कर्मचारी और शिक्षक भी अपने खिलाफ जातिगत आधार पर हो रहे भेदभाव की शिकायत कर सकते हैं। पहले के नियमों में केवल एससी-एसटी वर्ग के छात्र ही शामिल थे।

यूजीसी के नए नियमों के तहत नस्ल, पंथ, क्षेत्र, जेंडर, दिव्यांगता आदि के आधार पर भी किए जाने वाले भेदभाव के खिलाफ शिकायत की जा सकती है। विरोधियों का तर्क है कि इन आधारों पर तो किसी भी वर्ग के छात्र, कर्मचारी या शिक्षक के खिलाफ भेदभाव हो सकता है। चूंकि यह तर्क निराधार नहीं, इसलिए यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि नए नियम केवल एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों के लिए ही नहीं हैं। आखिर नए नियमों में यह प्रविधान शामिल करने में क्या कठिनाई है कि किसी भी वर्ग का छात्र, कर्मचारी या शिक्षक अपने खिलाफ भेदभाव की शिकायत कर सकता है?

ऐसे किसी प्रविधान के न होने से यह ध्वनित हो रहा है कि भेदभाव तो केवल सामान्य वर्ग के लोग ही करते हैं। क्या इस धारणा को सही कहा जा सकता है? यूजीसी के नए नियमों को लेकर यह भ्रम भी दूर किया जाए कि समानता अवसर केंद्रों के सदस्य केवल आरक्षित वर्गों के लोग ही होंगे। इस सबके साथ ही सबसे अधिक आवश्यक यह है कि नए नियमों में झूठी शिकायत करने वालों को हतोत्साहित या फिर आवश्यक हो तो दंडित करने के भी उपाय किए जाएं, ताकि ऐसी शिकायतें न की जा सकें।

इसकी अनदेखी न की जाए कि ऐसे कई कानून हैं, जिनका दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है। इनमें एससी-एसटी उत्पीड़न के साथ दहेज और यौन हिंसा रोधी कानून प्रमुख हैं। यह ठीक नहीं कि समानता कायम करने वाले नियम समानता के ही सिद्धांत की अनदेखी करते दिखें।

अमेरिका की नई रक्षा नीति हथियारों की होड़ बढ़ाएगी

66

देखा जाए तो रूस-यूक्रेन युद्ध भी नाटो के कारण हुआ है क्योंकि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की जिद्द कर रहा था। रूस यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के सख्त खिलाफ था क्योंकि वो इसे अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है। जब यूक्रेन अपनी जिद्द पर अड़ा रहा तो रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया।

डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, वो लगातार अमेरिकी नीतियों में बड़े बदलाव करते जा रहे हैं। ये बदलाव इतने बड़े हैं कि उनके जाने के बाद भी इन नीतियों को बदलना सम्भव नहीं होगा । देखने से लगता है कि ये बदलाव ट्रंप द्वारा किये जा रहे हैं लेकिन सच यह है कि ये अमेरिका के ऐसे बदलाव हैं जो स्थाई रूप लेने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि उनकी नीति 'अमेरिका फर्स्ट' की होगी और सत्ता में आने के बाद वो उसी नीति पर चल रहे हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली थी जिसे वो अभी तक निभाता रहा है। अमेरिका की इस नीति के कारण यूरोपीय देशों ने अपने रक्षा खर्च को बहुत कम कर दिया था क्योंकि उन्हें अमेरिका के कारण अपनी सुरक्षा की चिंता नहीं थी।

अमेरिका ने अपनी इस नीति के तहत 'नाटो' का निर्माण किया था जिसके कानून के अनुसार एक देश पर हमला संगठन के सभी देशों पर हमला माना जाता था। अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत के कारण ये संगठन बहुत शक्तिशाली है । 'नाटो' के गठन के बाद यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा के प्रति इतने आश्वस्त हो चुके थे कि उन्होंने अपनी सेना को बहुत कमजोर कर दिया। यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा के प्रति बेफिक्र होकर अपने विकास में लगे रहे और अपनी जनता के लिए बड़ी-बड़ी कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। दूसरी तरफ अमेरिका ने इस संगठन का फायदा उठाकर पूरी दुनिया में थानेदारी की । अमेरिका ने अपनी सनक में कितने ही देशों को बर्बाद कर दिया। अमेरिका ने कई देशों से युद्ध छेड़े और यूरोपीय देशों ने उसका पूरा साथ दिया । अमेरिका को इसके दो बड़े फायदे हुए. एक तरफ जहां उसकी चौधराहट चलती रही तो दूसरी तरफ उसका रक्षा उद्योग फलता-फूलता रहा । इन युद्धों में ज्यादातर अमेरिका के हथियार इस्तेमाल होते थे, जिनका खर्च नाटो देशों को उठाना पड़ता था। अमेरिका और यूरोपीय देशों के उकसावे में आकर यूक्रेन ने रूस से युद्ध करके अपने आपको बर्बाद कर लिया है। कितनी अजीब बात यह है कि जिस नाटो में शामिल होने के लिए यूक्रेन ने यह दुःसाहस किया था, उसी नाटो का अस्तित्व आज खतरे में दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ दोस्ती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन अपने हितों की अनदेखी करके रूस से समझौता कर ले। नए हालातों में यूक्रेन खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। सच तो यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान यूरोपीय देशों को हुआ है । इस युद्ध के कारण उनकी अर्थव्यवस्था को बड़ी चोट पहुँची है । यूरोपीय देशों की ऊर्जा जरूरतें रूस द्वारा पूरी की जा रही थी लेकिन इस युद्ध के कारण उन्होंने रूस से दूरी बना ली। रूस की अपेक्षा अन्य देशों से ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति यूरोपीय देशों को बहुत महंगी पड़ी है जिसने उनकी आर्थिक कमर तोड़ दी है।

अब अमेरिका ने अपनी सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव कर दिया है जिससे यूरोपीय देशों के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। पेंटागन ने शुक्रवार को 34 पन्नों की 'नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति' जारी कर दी है। नई रक्षा नीति में कहा गया है कि अमेरिका अब दुनिया का चौकीदार नहीं बनेगा। इस नीति में कहा गया है कि अमेरिका का फोकस अब केवल पश्चिमी गोलार्द्ध, ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर रहेगा। अमेरिका ने एशिया और यूरोप के अपने सहयोगी देशों को फटकार लगाई है और कहा है कि ये देश लंबे समय से अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर है। अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि अब ये देश रूस और उत्तर कोरिया जैसे खतरों से निपटने में ज्यादा जिम्मेदारी लेंगे। इस नीति में बदलाव की वजह यह बताई गई है कि बहुत लंबे समय तक अमेरिकी सरकार ने अपने नागरिकों और उनके हितों को प्राथमिकता नहीं दी है, अब ऐसा नहीं होने वाला है।

देखा जाए तो अमेरिका ने यूरोपीय देशों को रूस से खुद निपटने को कह दिया है और दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया से निपटने का इशारा कर दिया है। 2022 में अमेरिका ने कहा था कि उत्तर कोरिया से निपटने की जिम्मेदारी उसकी है लेकिन अब अमेरिका पीछे हट गया है। ईरान के बारे में भी अमेरिका ने कहा है कि उससे निपटने की जिम्मेदारी अब क्षेत्रीय देशों पर होगी। अमेरिका ने जहां इजराइल को खुला समर्थन दिया है तो अरब देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। इस नीति में ताइवान के लिए कुछ नहीं कहा गया है लेकिन लगता है कि अब अमेरिका ने उसे भी चीन के भरोसे छोड़ दिया है। अमेरिका अपने सहयोगी देशों में सैन्य तैनाती कम करने जा रहा है। सवाल यह है कि डोनाल्ड ट्रंप को इससे क्या फायदा होने वाला है। वास्तव में ट्रंप चाहते हैं कि सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा खर्च करें। यूरोपीय देशों को उन्होंने बहुत पहले कह दिया था कि वो रक्षा पर अपना खर्च बढ़ाये। अब वो कह रहे हैं कि यूरोपीय देश रक्षा पर अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत से ज्यादा खर्च करें । इसके पीछे ट्रंप का स्वार्थ यह है कि सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा हथियार खरीदे। इससे अमेरिका के सैन्य उद्योग को बड़ा फायदा होगा क्योंकि इस समय अमेरिका ही सबसे बड़ा आर्म्स सप्लायर है। देखा जाए तो अमेरिकी नीति से अब हथियारों की होड़ बढ़ने वाली है।

समस्या सिर्फ यह नहीं है कि इससे हथियारों की होड़ बढ़ने वाली है बल्कि इससे भी बड़ी समस्या यह खड़ी हो गई है कि कई देशों में अपने दुश्मन देशों से युद्ध का खतरा खड़ा हो गया है। अमेरिका पर भरोसे के कारण यूरोपीय देश, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान जैसे देशों ने समुचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं की है, अब उन्हें अपनी सुरक्षा का भय सताने लगा है। जापान को इसका अहसास पहले ही हो गया था, इसलिए वो पिछले कुछ समय से भारत के साथ मिलकर रक्षा तैयारियों में जुटा हुआ है। दक्षिण कोरिया को भी अब इस रास्ते पर चलना होगा। ताइवान को तो लंबे समय से यह डर सता रहा है कि अगर चीन ने हमला कर दिया तो अमेरिका उसकी मदद करने से पीछे हट सकता है। ताइवान पिछले कुछ समय से हथियारों की खरीद में लगा हुआ है क्योंकि उसे पता है कि चीन उस पर हमला जरूर करेगा। अमेरिका की नई रक्षा नीति के कारण अब ये देश जबरदस्त तरीके से रक्षा तैयारियों में जुटने वाले हैं क्योंकि खतरा उनके सिर पर खड़ा है। अब यूरोपीय देश भी इसी लाइन में आ गए हैं क्योंकि अमेरिका ने दुनिया को बता दिया है कि ये देश कितने कमजोर हैं। जिस तरह से ये देश अमेरिका के सामने सिर झुकाकर खड़े थे, इससे इनकी कमजोरी पूरी दुनिया को पता चल गई है।

- राजेश कुमार पासी

विश्व के अनेक देश उन्हें...

डॉ. वेदप्रकाश

चुनौतियों को अवसर में बदलते नरेंद्र मोदी

हाल ही में लंदन से प्रकाशित प्रतिष्ठित एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिका द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की विकास यात्रा को मजबूत करने वाला बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन के टैरिफ से परेशान यूरोपीय नेताओं के लिए भारत का अनुभव एक सीख हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संतुलित और चतुर रणनीति के जरिए न केवल बाहरी दबावों को झेला बल्कि उन्हें घरेलू सुधारों को तेज करने का जरिया भी बनाया। पत्रिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के चीन के साथ संबंधों में सुधार आया है। निवेश पर लगी पाबंदियां हटाई गई हैं और कई अहम व्यापार समझौते किए गए हैं। ध्यातव्य है कि विगत लंबे समय से अमेरिका भारत सहित कई देशों पर टैरिफ का दबाव बनाए हुए है। ऐसे में उत्पादन और व्यापार की समूची व्यवस्था उलझन में पड़ी दिखाई देती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गति से बिना किसी विवाद में उलझे निरंतर चल रहा है।

इसके साथ-साथ विश्व के कई देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं। वहां के लोग और संसाधन प्रभावित हो रहे हैं। व्यापार और दूसरे देशों के साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। भारत के पड़ोसी देशों में भी राजनीतिक अस्थिरता एवं आंतरिक उतार-चढ़ाव और संघर्ष जारी हैं। वैश्विक चुनौतियों के ऐसे वातावरण के उपरांत भी वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की अनुमानित विकास दर 7.4 प्रतिशत है जो निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूती को दर्शाता है। वर्ष 2014 से 2025 तक की भारत की विकास यात्रा को देखने से हम पाते हैं कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी युग प्रवर्तक के रूप में हमारे सामने हैं। वे राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर निरंतर नए संकल्पों का सृजन करते हैं। वे समय की आवश्यकताओं व आकांक्षाओं को समझते हुए गंभीर चिंतन करते हुए योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित भी करते हैं। विगत कुछ समय से वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। इसके लिए वे ढांचागत सुधारों के साथ-साथ सैन्य मजबूती,विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में मजबूत भारत हेतु भी लगातार काम कर रहे हैं। भारत विविधताओं वाला विशाल देश है। ये विविधताएं जहां एक ओर भारत की शक्ति हैं वहीं दूसरी ओर इसमें चुनौतियां भी विद्यमान हैं लेकिन वर्ष 2014 के बाद से किसान, गरीब, मजदूर, महिला, युवा, गांव, शहर, ज्ञान-विज्ञान एवं सूचना- तकनीक आदि के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। स्वच्छ भारत, शौचालय युक्त भारत, मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया, प्रधानमंत्री जनधन योजना, स्किल इंडिया, नारी सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी युक्त भारत आदि ऐसी अनेक योजनाएं एवं दूरदर्शी संकल्प रहे हैं जिनसे सामान्य व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन हुए हैं। इसके साथ-साथ भारत ने आर्थिक दृष्टि से भी राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर नए कीर्तिमान बनाए हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय फलक पर संवैधानिक संस्थाओं एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत किया है तो वहीं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह भी स्पष्ट किया है कि वसुधैव कुटुंबकम हमारे लिए कोई नई चीज नहीं है अपितु यह हमारा जीवन दर्शन है, जिसके तहत हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी वैश्विक फलक पर लगातार आतंकवाद, भ्रष्टाचार, ड्रग्स, अवैध हथियार, मनी लॉन्ड्रिंग, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक, प्रदूषण, आपसी सौहार्द, शांति एवं विस्तारवाद जैसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों और चुनौतियों पर समाधान के लिए आगे आए हैं। विश्व के अनेक देश उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। एक कुशल रणनीतिकार के रूप में प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर दीर्घकालिक सुधारों हेतु निरंतर प्रतिबद्ध रहते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने विश्व के अनेक देशों की आंतरिक और आर्थिक स्थिति को अस्थिरता की ओर पहुंचा दिया था। ऐसे में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी सुनियोजित ढंग से आत्मनिर्भरता का संकल्प लेकर सामने आए। उन्होंने न केवल भारत में अपितु विश्व के कई देशों को वैक्सीन से लेकर भिन्न-भिन्न प्रकार की आवश्यक सहायताएं पहुंचाई। वे पूरे देश को एक बड़े और महत्वपूर्ण संकल्प के साथ लेकर आगे बढ़े। उनकी योजनाओं में रेहड़ी पटरी वाले और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के लिए जितनी चिंता और प्रतिबद्धता होती है वे उतनी ही चिंता और प्रतिबद्धता देश के विकास में भागीदार उद्योगपतियों की भी करते हैं।

उदाहरण बनी भारतीय चुनाव प्रणाली

पश्चिमी देशों की नजर में लोकतंत्र वही है, जो 1215 ईस्वी में इंग्लैंड में हुई मैग्नाकार्टा की संधि से उपजा। इस लोकतंत्र के नाते पश्चिमी देशों में एक खास तरह का श्रेष्ठताबोध है। ऐसे सोच वाले देशों में चुनाव कराने वाली संस्थाओं के संगठन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (आइडीईए) की अध्यक्षता भारत को मिलना मामूली बात नहीं। हाल में दिल्ली में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में इस संगठन का सम्मेलन हुआ। इसके जरिये आयोग ने भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों से पश्चिमी देशों को एक तरह से परिचित कराने की कोशिश की। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अभी 37 है।

अमेरिका और जापान इसके स्थायी पर्यवेक्षक हैं। इस समय दुनिया की आबादी करीब आठ अरब है। इस लिहाज से यह संगठन करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाताओं का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इसमें अकेले भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। इसके हिसाब से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। घरेलू मोर्चे पर जिस समय भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त चुनाव आयोग के हाथ इस संस्था की कमान आने का अर्थ है कि आयोग की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस दृष्टि से संगठन की अध्यक्षता भारत के लिए केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व का भी अवसर है।

आज भारत में मतदाताओं की चुनावों में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह एक तरह से चुनाव व्यवस्था की सफलता है। चुनावी प्रबंधन में बढ़ता नवाचार, डिजिटल चुनाव प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं तक बढ़ती पहुंच-ये सभी चुनाव आयोग के प्रयासों से ही संभव हुए हैं। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने बहुत प्रयोग किए हैं। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी दिखाता है कि चुनाव आयोग के प्रति लोगों का भरोसा कम नहीं हुआ है।

- उमेश चतुर्वेदी

उस दौर में...

शम्भू शरण सत्यार्थी

सच्चे पत्रकार मार्क टली को विनम्र श्रद्धांजलि

अचानक विलियम मार्क टली का नाम सुनते ही समय जैसे पीछे लौट गया। नई दिल्ली में उनके निधन की खबर आई और उसके साथ ही पत्रकारिता के एक पूरे युग के अंत का एहसास हुआ। यह सिर्फ़ किसी एक वरिष्ठ पत्रकार के जाने की सूचना नहीं थी, बल्कि उस भरोसे, उस नैतिकता और उस साहस के विदा होने की खबर थी जो कभी पत्रकारिता की पहचान हुआ करती थी। जब मैं किशोरावस्था में था और पिताजी युवा कम्युनिस्ट और शिक्षक, उनका विश्वास था कि बी बी सी सही खबर देता है। मुझे भी यह विश्वास पुख्ता होते गया और मैं भी नियमित रूप से बी बी सी का समाचार सुनने का फैन हो गया। वह समय आज बहुत साफ़ याद आता है। तब बीबीसी का समाचार सुनना कोई साधारण आदत नहीं थी बल्कि सच जानने की एक मजबूरी थी। उस दौर में भारतीय मीडिया पर आम लोगों का भरोसा लगभग खत्म हो चुका था। लोगों को लगता था कि भारतीय मीडिया सरकार का मीडिया है। सत्ता जो कहना चाहती है, वही खबर बनती है, वही सच घोषित कर दिया जाता है। और यह धारणा पूरी तरह गलत भी नहीं थी। ऐसे माहौल में बीबीसी की आवाज़ एक भरोसे की आवाज़ थी। जब बीबीसी कहता था, तो लगता था कि यह खबर सरकार नहीं, सच्चाई सुना रही है। करोड़ों भारतीयों के लिए बीबीसी सिर्फ़ एक विदेशी प्रसारण संस्था नहीं थी बल्कि एक वैकल्पिक जनमाध्यम था और बीबीसी की उस विश्वसनीयता का सबसे मजबूत चेहरा थे—विलियम मार्क टली।

जब चारों तरफ़ डर, निगरानी और असुरक्षा का माहौल होता था, तब बीबीसी की आवाज़ यह तसल्ली देती थी कि सच को पूरी तरह दबाया नहीं जा सकता। वह ट्रांजिस्टर सिर्फ़ समाचार सुनने का साधन नहीं था बल्कि यह एहसास दिलाने वाला उपकरण था कि झूठ के इस शोर के बीच भी कहीं न कहीं सच ज़िंदा है।

बीबीसी के ज़रिये, मार्क टली के हवाले से ही जगदेव प्रसाद की शहादत की खबर देश और दुनिया तक पहुँची। उस समय ऐसी खबरों को सामने लाना आसान नहीं था। सत्ता असहज सच्चाइयों को दबाने में पूरी ताक़त झोंक देती थी लेकिन बीबीसी और मार्क टली ने वह जोखिम उठाया जो भारतीय मीडिया उठाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की खबर हो या बाबरी मस्ज़िद विध्वंस जैसी ऐतिहासिक और देश को झकझोर देने वाली घटना—इन सबकी पहली प्रामाणिक, संतुलित और तथ्यपरक सूचना सबसे पहले बीबीसी ने ही दी और इसके पीछे वह पत्रकारिता थी, जो सत्ता की अनुमति से नहीं, अपने विवेक से काम करती थी। मार्क टली अंग्रेज़ थे लेकिन भारत उनके लिए सिर्फ़ एक पोस्टिंग नहीं था। वे यहाँ आए, यहाँ रहे और यहीं के हो गए। उन्होंने भारत को सतही तौर पर नहीं देखा।

जरा हटके

आंध्र प्रदेश का तो...

राजेश श्रीवास्तव

दावोस में यूपी के अधिकारियों ने अपनी ही सरकार को धोखे में रखा

ट्रंप की 'दादागिरी' और चीन की चालबाजी के बीच भारत ने दावोस में अपना 'बड़ा दांव' खेलने का संदेश दिया था। भारत से यूपी-गुजरात समेत 10 राज्य विदेशी निवेशकों को लुभाने स्विट्जरलैंड पहुंचे थे । उन्हें उम्मीद थी कि विदेशी निवेशकों के बहाने भारत दुनिया को एक बड़ा संदेश देगा। मिशन साफ था चीन से मोहभंग कर चुकी ग्लोबल कंपनियों का 'मोटा पैसा' और फैक्ट्रियां भारत लाना लेकिन इस 'मिशन दावोस' से आपकी जेब और नौकरी पर क्या असर पड़ा? क्या उत्तर प्रदेश जैसे राज्य अपनी कोशिशों में कामयाब हो सके। क्या यूपी या अन्य राज्यों को विदेशी निवेशक मिल सके, यह इन दिनों बड़ा सवाल है लेकिन सरकार की चकाचौंध में यह सवाल खो सा गया है बल्कि यूं कहें कि तमाम मीडिया हाऊस तो सरकार के गुणगान में लगे हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वहां हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर लिया । कुछ प्रमुख कंपनियों के साथ 9750 करोड़ रुपये का यूपी सरकार के साथ करार किया गया। बात आगे बढ़े इससे पहले यह समझना होगा कि दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में विदेशी निवेशकों को अपने-अपने प्रदेशों या देशों में लाने के लिए राज्य या दुनिया भर के देश जाते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने इसी बीच ऐसा करतब दिखा दिया कि लोग दांतों तले उंगलिया दबाये हैं। दावोस में हो रही यह बैठक ऐसे समय में हुई जब पुरानी वैश्विक व्यवस्था चरमरा रही है. अब बाजार निष्पक्ष नहीं रहे। व्यापार और तकनीक के फैसले अब सिर्फ मुनाफ़े से नहीं बल्कि राजनीतिक ताकत से तय हो रहे हैं। चीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सुपरपावर बन रहा है और अमेरिका अपनी मनमर्जी चला रहा है। ऐसे में भारत इस बार दावोस में सिर्फ उपस्थिति दर्ज कराने नहीं बल्कि अपनी ताकत दिखाने गया था। भारत का डेलिगेशन अब तक के सबसे बड़े डेलिगेशन में से एक है। केंद्र सरकार के मंत्रियों अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी और राम मोहन नायडू के साथ-साथ देश के 10 राज्यों के प्रतिनिधि भी वहां मौजूद रहे।

आम तौर पर दावोस में देश की बात होती थी लेकिन इस बार राज्य अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। कोशिश थी कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल, असम, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्य एक ही छत के नीचे 'इंडिया पवेलियन' में दुनिया को बताएंगे कि उनके यहां निवेश करना क्यों फायदेमंद है। आंध्र प्रदेश का तो अपना अलग पवेलियन बना था हालांकि, तमिलनाडु चुनाव के चलते इस बार नदारद रहा लेकिन इसी बीच चर्चा यूपी की हो रही है कि यूपी में 9750 करोड़ रुपये का एमओयू साइन कर लिया और देश में अपनी क्षमता का डंका बजवा दिया लेकिन दिलचस्प तो यह है कि उत्तर प्रदेश ने जिन भी कंपनियों के साथ करार किया, वह सभी देशी हैं तो आखिर सवाल यह उठता है कि अगर यह कंपनी स्थानीय हैं तो उनको दावोस ले जाकर उनके साथ अनुबंध क्यों किया। उत्तर प्रदेश में संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि मंडल ने सील कंपनी यानी कि सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमि. के साथ बिजली बनाने का 8000 करोड़ का करार किया है। इसके अलावा सिफी टेक्नोलॉजी यानी सत्यम कंप्यूटर जो घोटाले में लंबे समय तक फंसी रही, उसके साथ भी करार किया गया । इसके अलावा नोएडा की एक कंपनी के साथ 1600 करोड़ रुपये का डाटा सेंटर बनाने का करार हुआ। वहीं डिफेंस में यो-माइन के साथ 150 करोड़ का रक्षा करार हुआ , यानी कि इसमें कोई भी कंपनी विदेशी नहीं है। अगर इन सभी के साथ करार करना था तो इन्वेस्टर्स समिट में हो सकता था या फिर वीडियो कांफ्रेंसिंग करके लेकिन फिर उत्तर प्रदेश के अधिकारी कैसे विदेश की सैर सरकारी पैसे से कर पाते, सवाल यह भी तो था। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंत्री सुरेश खन्ना के साथ आईएएस अधिकारियों में आईडीसी दीपक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद तथा यूपी नेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह भी दावोस गये हैं। कहा गया था कि इस वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ रणनीतिक निवेश अवसरों पर संवाद करेगा और विदेशी कंपनियों के साथ एमओयू करेगा। सवाल यह है कि अगर इन अपने ही अधिकतर कंपनियों जो प्रदेश की ही हैं, इनके साथ करार करने जाने के लिए दावोस की क्या जरूरत थी। अगर मुख्यमंत्री और सरकार के दावों पर यकीन करें तो पता लगता है कि उत्तर प्रदेश में बदले माहौल में दुनिया भर के निवेशक आने को तैयार हैं तो फिर दावोस में कोई क्यों नहीं आया। क्यों हम अपने ही प्रदेश की कंपनियों के साथ 9750 करोड़ का करार करके अपनी ही पीठ थपथपा रहे हैं। कहीं यह करार भी इन्वेस्टर्स समिट तो जैसे नहीं हो जायेंगे जो आधे से ज्यादा आज तक शुरू ही नहीं हो सके। यही कारण है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ भले ही अच्छी दिख रही हो लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि प्राइवेट कंजम्पशन (आम लोगों द्वारा की जाने वाली खरीदारी) अभी भी सुस्त है। निवेश का बड़ा हिस्सा सरकारी खर्च से आ रहा है. अगर बाहर से पैसा और फैक्ट्रियां भारत नहीं आईं तो रोजगार के नए मौके बनाना मुश्किल होगा, खासकर तब, जब एआई जैसी तकनीकें दुनिया भर में नौकरियों का स्वरूप बदल रही हैं। राज्य सरकारें अगर सीधे विदेशी कंपनियों को अपने यहां फैक्ट्री लगाने और प्रोजेक्ट शुरू करने का न्योता नहीं देंगी तो इसका सीधा असर स्थानीय रोजगार पर पड़ सकता है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट बताती है कि 2026 में सबसे बड़ा खतरा युद्ध या पर्यावरण नहीं बल्कि 'जियो-इकोनॉमिक' टकराव है, यानी देशों के बीच आर्थिक रस्साकशी। ट्रंप की नीतियां और चीन का दबदबा भारत जैसे देशों के लिए चुनौती भी है और मौका भी।

वाराणसी में यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन

विरोध

अधिवक्तों ने एसीपी की गाड़ी रोकी, बीजेपी बूथ अध्यक्ष ने इस्तीफा दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । UGC के खिलाफ आज यानी मंगलवार को वाराणसी में विरोध प्रदर्शन किया गया। वाराणसी जिला मुख्यालय के पास बड़ी संख्या में लोग जुटे। प्रदर्शन में छात्र, युवा और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल हैं। लोग UGC नियमों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं और नारेबाजी के साथ अपना विरोध दर्ज कराया। दोपहर में प्रदर्शन करने वाले डीएम पोर्टिको तक पहुंच गए। यहां सभी ने विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही डीएम को ज्ञापन देने की बात की। वहीं BJP के बूथ-अध्यक्ष ने विकास कुमार मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पत्र मिलते ही उसे वापस लेने और डिलीट करने का दबाव भी बनने लगा। वाराणसी के BHU में सवर्ण वर्ग के छात्र हाथ में पोस्टर लेकर डीन ऑफ स्टूडेंट से मिलने पहुंचे। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति के पास पोस्टर लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। कहा कि यह नियम सिर्फ दो वर्गों के लिए बनाया गया है। हम लोग भेदभाव का शिकार हुए हैं। सरकार इसको वापस ले, अन्यथा अब स्कूल कॉलेज में भी एक साथ बैठकर लोग नहीं पढ़ेंगे। BJP बूथ अध्यक्ष विकास मिश्रा ने बताया कि उनका परिवार कई वर्षों से भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा है और वर्तमान में भाजपा के चिरईगांव मंडल में बूथ अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे। भाजपा मंडल अध्यक्ष को भेजे पत्र में बताया कि मैं भाजपा के बूथ अध्यक्ष पदपर कार्यरत हूं, पार्टी द्वारा वर्तमान में UGC एवं SC/ST ACT जैसे काले कानून के समर्थन एवं लागू किए जाने की नीति से मैं पूरी तरह असहमत हूं। ये कानून समाज में विभाजन पैदा करने वाले हैं।

धरने का नेतृत्व कर रहे कृष्णानंद पांडेय ने यूजीसी कानून को बताया- शरिया कानून

केसरिया भारत संस्था के अध्यक्ष और धरने का नेतृत्व कर रहे कृष्णानंद पांडेय ने कहा- इस देश में जो UGS काला कानून लागू हुआ है। ये रोल बैक हो और इसे खत्म होना चाहिए क्योंकि ये शरिया कानून है। इससे समाज खंडित होगा। हमारे महापुरुषों ने जो हजारों साल से हमारे समाज को संजो को रखा है वो समाज खत्म हो जाएगा। इस देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री अहंकारी हो गया है। साथ में हमारा डीएम भी अहंकारी हो गया है। हम नौजवानों के साथ 4 घंटे से यहां बैठे हैं पर हमारी सुध लेने वाला कोई नहीं है। हम सभी आज प्रधानमंत्री के नाम एक पत्रक लेकर हम डीएम को देने के लिए यहां आए हैं। जब तक वो हमसे ज्ञापन लेने नहीं आयेंगे हम लोग यहां से नहीं हटेंगे।

वाराणसी में महिलाएं चूड़ियां लेकर प्रदर्शन कर रहीं

वाराणसी में कलेक्ट्रेट गेट पर धरने पर बैठीं रंजन सिंह ने यूजीसी के संशोधित नियमों को "काला कानून" बताते हुए कहा कि यह सवर्ण समाज के हित में नहीं, बल्कि अहितकारी है और इसके दुरुपयोग की लगातार संभावना रहेगी। उन्होंने कहा कि वह चूड़ियां लेकर आई हैं, जो उन सवर्ण और ब्राह्मण नेताओं व अधिकारियों के लिए हैं जो इस कानून के खिलाफ खुलकर आवाज नहीं उठा रहे हैं। रंजन सिंह ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारी मिलकर ये चूड़ियां प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को भेजेंगे, ताकि सरकार तक अपना विरोध और नाराजगी पहुंचाई जा सके।

जिलाधिकारी ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में किया ध्वजारोहण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। 77वां गणतंत्र दिवस जनपद में श्रद्धा, हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में धूम-धाम से मनाया गया। इस राष्ट्रीय पावन पर्व के उपलक्ष्य में जनपद में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामानाएं एवं बधाई दिया। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रातः 08.30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रगान एवं संविधान के प्रति निष्ठा और राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। कलेक्ट्रेट लोकसभागार में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने बताया कि आज इस राष्ट्रीय पर्व को पूरा देश मना रहा है। 26 जनवरी 1950 को हमारे देश में दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान लागू किया गया था। अब हमारे देश में नीति/नियमों को बनाकर धरातल पर लागू करने का आधार है संविधान, इसलिए हम गणतंत्र दिवस मनाते है, हमारा संविधान मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के विषय में भी याद दिलाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद विकास करेगा तो देश विकास करेगा, इसके लिए हम सबको अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदारी से कार्य करना होगा। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि हम सभी को अपने कार्यालय में और आस- पास साफ सफाई रखनी चाहिए। जिससे हमें एक सकारात्मक वातावरण मिल सके।

फास्ट न्यूज

आगरा में 3 लाख की ज्वैलरी महिला आटो में भूली

आगरा । आगरा में लोहामंडी पुलिस ने एक महिला का खोया हुआ बैग मात्र 6 घंटे में बरामद कर उसे सुपुर्द कर दिया। महिला का बैग ऑटो में छूट गया था, जिसमें सोने की 2 तोला की चैन, 200 ग्राम चांदी के पायल, कपड़े और जरूरी कागजात थे। बोदला निवासी महिला ने बताया कि वह ट्रेन पकड़ने के लिए बोदला चौराहे से ऑटो द्वारा राजामंडी रेलवे स्टेशन पर उतरी थी, लेकिन उनका बैग ऑटो में ही छूट गया था।

कानपुर में एक करोड़ से बना बृहमनगर चौराहा धंस रहा

कानपुर । कानपुर में 7 दिन में दो बार सड़क धंसने का मामला सामने आया है। इसे लेकर भाजपा पार्षदों ने अपने नगर निगम पर कार्य में लीपापोती करने का आरोप लगाया है। हाल ही में दो दिन पहले एक करोड़ से बने बृहमनगर चौराहा पर सड़क धंस गई। 22 जनवरी को ईदगाह चौराहा के पास करीब 15 मीटर तक सड़क धंस गई थी। वहां पर करीब 25 फिट गड्ढा हो गया। इसके बाद अब भाजपा पार्षदों ने अपने अधिकारियों पर लीपापोती का आरोप लगाया है। इलाके के लोगों ने भी धंसती सड़क पर नाराजगी जताई है।

बोलत बंद पानी बेचने वाली आठ कंपनी की क्वालिटी गड़बड़

कानपुर । कानपुर में बोतल बंद पानी बेचने वाली कंपनियां खराब पानी बेच रही हैं। यह जानकारी जांच के बाद सामने आई है। आठ ऐसी कंपनी मिली है, जिसका बोतल बंद पानी खराब क्वालिटी का है। उनके खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। शहर और आसपास संचालित पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के प्रोसेस यूनिटों के विरुद्ध सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया।

पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

सऊदी अरब भेजने के नाम पर 1.30 लाख की ठगी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सूरतगंज निवासी मो० अय्यूब ने सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के नाम पर अपने पुत्र के साथ ठगी किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना-पत्र देकर आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित मो० अय्यूब के अनुसार उनका पुत्र मो० आकिब बेरोजगार था। रोजगार की तलाश के दौरान उसकी मुलाकात गांव के ही एक लोग से हुई जो उन्होंने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में ड्राइवर की नौकरी दिलाने का झांसा दिया और इसके लिए 1 लाख 30 हजार रुपये की मांग की। आरोप है कि भरोसा दिलाने के बाद अलग-अलग किश्तों में 60 हजार रुपये ऑनलाइन तथा 70 हजार रुपये नकद ले लिए। इसके बाद उसने एक वीजा दिया, जिस पर पेशा "पर्सनल ड्राइवर" लिखा हुआ था। इसी भरोसे पर मो० आकिब सऊदी अरब चला गया। लेकिन वहां पहुंचते ही सच्चाई सामने आ गई। मो० आकिब को ड्राइवरी की जगह ऊंट, भेड़ और बकरियों के फार्म हाउस में जबरन काम कराया गया। पीड़ित के अनुसार वहां न तो उसे कोई वेतन दिया गया और न ही मानवीय व्यवहार किया गया। अत्यधिक शारीरिक मेहनत और प्रताड़ना के चलते उसकी तबीयत बिगड़ गई। बीमारी के कारण जब वह काम छोड़कर शहर की ओर गया, तो वहां की पुलिस ने उसे पकड़कर जेल भेज दिया। जेल से छूटने के बाद उसे भारत वापस भेज दिया गया। भारत लौटने पर परिवार को पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी कर फर्जी वीजा देकर रकम हड़प ली गई है।

फर्जी वीजा देकर युवक को बना दिया गया पशुपालक

झाँसी रेल मंडल में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

तमसा संकेत, संवाददाता

झाँसी । रेल मंडल द्वारा दिनांक 26.01.2026 को मंडल मुख्यालय स्थित सीनियर इंस्टिट्यूट में राष्ट्र का 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंडल रेल प्रबंधक, झाँसी श्री अनिरुद्ध कुमार द्वारा राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने से हुआ।

इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक द्वारा रेल सुरक्षा बल की भव्य परेड का निरीक्षण कर सलामी ली गई। तत्पश्चात उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन करते हुए श्री अनिरुद्ध कुमार ने मंडल एवं उत्तर मध्य रेलवे की प्रगति, ne उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। परेड प्रदर्शन के पश्चात रेल सुरक्षा बल के जवानों, संरक्षा विभाग की नुक्कड़ नाटक टीम, रेलवे के स्कूली बच्चों एवं रेल कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रमों में देशभक्ति नृत्य, नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ स्वान दस्ते द्वारा विस्फोटक खोजने की विशिष्ट कला का प्रभावशाली प्रदर्शन भी किया गया। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक द्वारा इंजीनियरिंग, परिचालन, वाणिज्य, सिग्नल एवं टेलिकॉम, यांत्रिक, कार्मिक, संरक्षा, रेल सुरक्षा बल, लेखा, विद्युत, स्टोर तथा चिकित्सा विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ग्वालियर मेला में रेल प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए जनसंपर्क विभाग तथा टीम के अन्य सदस्यों को 10,000 रुपए का नकद पुरुस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री नन्दीश शुक्ल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) श्री पी.पी. शर्मा, महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती जया शर्मा सहित रेल परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए।

> 66 इस अवसर पर आयोजित परेड में रेल सुरक्षा बल स्टाफ, डॉग स्क्वायड, डीज़ल स्टाफ, टिकट चेकिंग स्टाफ, गार्ड एवं लोको पायलट, मेडिकल स्टाफ, सी एंड डब्ल्यू स्टाफ तथा भारत स्काउट एवं गाइड के सदस्यों ने सहभागिता की।

हड़कंप : बालिका संरक्षण गृह से 5 बालिकाएं हुई फरार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में चैतन्य विहार स्थित बालिका संरक्षण गृह से सोमवार की रात पांच लड़कियां संदिग्ध परिस्थितियों में फरार हो गईं। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।सूचना मिलते ही जिला समाज कल्याण अधिकार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, एडीएम एफआर पंकज वर्मा और एसपी सिटी राजीव कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो बच्चियों को सकुशल बरामद कर लिया, वहीं बाकी तीन बच्चियों की तलाश में जुटी हुई है।

इस सम्बन्ध में एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि थाना वृन्दावन क्षेत्र स्थित बालिका गृह से रात्रि करीब 1 बजे सूचना मिली कि यहां से पांच बालिकाएं भाग गई हैं। इस सूचना पर जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं पुलिस टीम मौके पर मौजूद है। इसमें समाज कल्याण विभाग की तरफ से तहरीर प्राप्त हुई है जिसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। जिसके बाद हमारी टीमें बच्चियों को बरामद करने के लिए सीसीटीवी कैमरों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही हैं। बच्चियों की बरामदगी के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है। इनमें से दो बच्चियों को सकुशल बरामद कर लिया गया है शेष तीन बच्चियों की तलाश में हमारी टीमें रवाना है उन्हें भी जल्द से जल्द बरामद कर लिया जाएगा और इसमें जिन लोगों की भी लापरवाही पाई जाएगी उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

एमआईईटी में 77वें गणतंत्र दिवस पर हुआ ध्वजारोहण

देशभक्ति के रंग में रंगा परिसर

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल एवं कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। राष्ट्रगान के पश्चात "भारत माता की जय" के उद्घोष से पूरा परिसर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा।

समारोह को संबोधित करते हुए वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2025 में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर सहित कई साहसिक एवं महत्वपूर्ण अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत आज विश्व के शक्तिशाली राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल हो चुका है। कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं से देश और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान रहने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं समर्पण भाव से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

सांसद रमेश अवस्थी ने स्नाइपर गन से निशाना साधा

कानपुर । कानपुर के साढ़ स्थित डिफेंस कॉरिडोर में मंगलवार को सांसद रमेश अवस्थी पहुंचे और अदानी डिफेंस परिसर का निरीक्षण किया। सांसद ने एआई तकनीक आधारित आधुनिक हथियारों और रक्षा उपकरणों का अवलोकन किया और निर्माण प्रक्रिया को नजदीक से समझा। निरीक्षण के बाद सांसद ने शूटिंग रेंज में पहुंचकर कार्बाइन से लगातार 5 फायर भी किए।

साढ़ कस्बा स्थित डिफेंस कॉरिडोर पहुंचने पर सांसद रमेश अवस्थी का स्वागत अदानी डिफेंस के ज्वाइंट प्रेसिडेंट अशोक वाधवान ने बुके देकर किया। इसके बाद सांसद ने परिसर में प्रदर्शित एआई तकनीक आधारित हथियारों का निरीक्षण किया। अशोक वाधवान ने उन्हें विभिन्न प्रकार के आर्म्स और वेपंस की तकनीकी विशेषताओं की विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान सांसद ने उरी सर्जिकल स्ट्राइक में इस्तेमाल की गई स्नाइपर गन भी देखी।

गणतंत्र दिवस बना लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का पर्व

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र में गणतंत्र दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन न रहकर लोकतंत्र, संविधान और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूकता का पर्व बनकर उभरा। क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों से लेकर सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों तक पूरे दिन देशभक्ति, अनुशासन और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही विद्यालय परिसरों में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी नजर आई। जागृति इंटर कॉलेज, पीएम इंटर कॉलेज, बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज, श्री राजाराम स्मारक शिक्षा निकेतन, सीएमएस जूनियर हाईस्कूल, राधेश्याम पब्लिक स्कूल, क्लाइमैक्स पब्लिक स्कूल, कंपोजिट विद्यालय भगवानीपुरवा सहित अनेक शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से संविधान की भावना को जीवंत कर दिया। कहीं देशभक्ति गीतों की मधुर धुनों ने माहौल को भावुक किया तो कहीं नाटकों और कविताओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद किया गया। छात्र-छात्राओं ने अपने विचारों और भाषणों में संविधान की शक्ति, लोकतंत्र की जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्यों पर जोर दिया। विद्यालय प्रबंधकों एवं शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस केवल ध्वजारोहण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारा संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को अपने आचरण में उतारें और एक जिम्मेदार नागरिक बनें।

इसी क्रम में सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों में भी गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने ध्वजारोहण कर संविधान के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई तथा देश की एकता, अखंडता और विकास में योगदान देने का संकल्प लिया।

प्रक्रिया : मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं के विकास से बढ़ेगा पर्यटन एवं होगा अधिकाधिक रोजगार का सृजन

जनसुविधाओं के विकास को लेकर हुई दूसरी रजिस्ट्री

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । कैबिनेट मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें विभाग लक्ष्मी नारायण चौधरी जी, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में श्री बांके बिहारी जी मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं के विकास/ निर्माण परियोजना के अंतर्गत दूसरी रजिस्ट्री की प्रक्रिया संपन्न हुई।

इस पुनीत कार्य हेतु विक्रेता मनीष मिश्रा, निवासी मकान संख्या 25-ए, बिहारीपुरा, वृन्दावन, मथुरा द्वारा 322.32 वर्ग मीटर भूमि का बैनामा तहसीलदार सदर के माध्यम से ठाकुर श्री बांके बिहारी जी (देवता) के नाम निष्पादित किया गया है। उक्त भूमि का क्रय मूल्य 1,85,36,704/- (एक करोड़ पच्चासी लाख छत्तीस हजार सात सौ चार रुपये) है।कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि श्री बांके बिहारी जी मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं का विकास ब्रज क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन क्षेत्र की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम दर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। यह रजिस्ट्री श्री बांके बिहारी मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं के विकास के क्रियान्वयन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे भविष्य में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

श्री बांके बिहारी जी मंदिर के आस पास भव्य और दिव्य जनसुविधाओं के विकास की दिशा में दूसरी रजिस्ट्री एक और ठोस कदम है। जनसुविधाओं के विकास से श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधा। माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश पर गठित हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी और जिला प्रशासन श्रद्धालुओं को सुदृढ़ व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतन प्रयासरत है।

इस परियोजना से न केवल दर्शन सरल होंगे, बल्कि समूचे ब्रज क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं के निर्माण/ विकास कार्य वृंदावन की प्राचीन दिव्यता को बनाए रखते हुए आधुनिक जरूरतों को पूरा करेगा। इस भव्य निर्माण से ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर एक नई पहचान मिलेगी और ठाकुर जी के भक्तों के लिए दर्शन की राह आसान हो जाएगी। मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं का विकास/ निर्माण में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित वातावरण, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और सुगम प्रवेश-निकासी द्वार बनाए जाएंगे, जिससे संकरी गलियों में होने वाली भीड़ का दबाव कम होगा। मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं के विकास/निर्माण से धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा तथा अधिकाधिक रोजगार का सृजन होगा।

> जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि "मंदिर के आस-पास जनसुविधाओं के विकास/निर्माण हेतु भूमि क्रय की समस्त कार्यवाही पूर्ण पारदर्शिता एवं विधिक प्रक्रिया के अनुरूप की जा रही है। परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।"

दहेज की मांग को लेकर विवाहिता से मारपीट

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। दहेज की अतिरिक्त मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष द्वारा विवाहिता के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम बेलाहरी मजरा बतनेरा निवासी रमेश पुत्र बहादुर लोध ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी बहन बिट्टा (उम्र लगभग 22 वर्ष) की शादी करीब एक वर्ष पूर्व ग्राम ललपुरवा मजरा बतनेरा निवासी गुरु पुत्र राम विजय लोध के साथ सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार यथाशक्ति दान-दहेज देकर की गई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा कम दहेज लाने का ताना दिया जाने लगा। कुछ समय बाद पति गुरु, देवर रंजीत तथा अन्य परिजनों द्वारा चार पहिया वाहन और पांच लाख रुपये नकद की मांग की जाने लगी। मांग पूरी न होने पर आरोपियों ने विवाहिता के साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारपीट की। मारपीट की इस घटना में विवाहिता के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि मारपीट के दौरान ससुराल पक्ष ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़िता भय और मानसिक तनाव में है। पीड़िता के भाई रमेश ने मामले की शिकायत थाना मोहम्मदपुर खाला में दर्ज कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति, देवर व अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार की जाएगी।

आगरा में आंधी के साथ झमाझम बारिश

आगरा। आगरा में आंधी और गरज के साथ झमाझम बारिश हुई। काले बादल छाये गए। ठंडी तेज हवाओं ने गलन बढ़ा दी है। 15 मिनट की बारिश ने मौसम बदल दिया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं वीरेन्द्र मिश्रा, निवासी ग्राम व पोस्ट लोधवारी, थाना डीह, जनपद रायबरेली (उ0प्र0) का निवासी हूँ। मेरी पुत्री देवांशी मिश्रा (Devanshi Mishra) आपके विद्यालय में कक्षा-5 की छात्रा है। मेरी पुत्री का सही नाम देवांशी मिश्रा (Devanshi Mishra) है, जो उसके आधार कार्ड एवं अन्य वैध दस्तावेजों में अंकित है। परंतु विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश उसका नाम देवांशी मिश्रा जो अंग्रेजी में (Devanshee Mishra) दर्ज हो गया है। जिसे अंग्रेजी में (Devanshi Mishra) नाम से किया जाना है।

मऊ में घर जाकर समझौते का दबाव बनाया, पैसे भी ऑफर किए, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

रेप पीड़ित को धमकाने वाले 3 भाजपा नेताओं पर मुकदमा

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

मऊ । मऊ में रेप पीड़ित को धमकाने के मामले में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सहित तीन नेताओं के खिलाफ सोमवार को मुकदमा दर्ज हुआ है। नेताओं ने रेप पीड़िता के घर जाकर उस पर समझौता करने का दबाव बनाया था।

इसका वीडियो भी सामने आया था। जिसमें तीनों भाजपा नेता लड़की के घर में बैठकर केस सेटलमेंट की बात करते नजर आ रहे हैं।

पीड़ित लड़की का कहना है कि भाजपा नेताओं ने समझौते के लिए पैसों का भी ऑफर भी दिया। आरोपी

आरोपी अंकित सिंह को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

अंकित शादी करे या फिर जेल जाए। मैं समझौता किसी हालत में नहीं करूंगी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह उर्फ पन्नू, कन्हैया तिवारी और हिमांशु राय पर FIR दर्ज की है। वीडियो सामने आने के बाद जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई। पीड़िता की तहरीर और वीडियो के आधार पर पुलिस ने तीन भाजपा नेताओं के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों में जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह उर्फ पन्नू, कन्हैया तिवारी और हिमांशु राय शामिल हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया- पीड़िता जब डूडा विभाग में संविदा पर कार्यरत थी,

युवती ने भाजपा नेताओं का वीडियो बनाया

पीड़िता का आरोप है कि अंकित सिंह के जेल जाने के बाद भाजपा के कुछ स्थानीय नेता उसके घर पहुंचे और उस पर मुकदमा वापस लेने और समझौते का दबाव बनाने लगे। इस दौरान पीड़िता ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

3 साल से अफेयर, शादी की बात पर मुकरा

भीटी क्षेत्र की रहने वाली युवती नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) में संविदा कर्मी है। युवती ने चंदौली के गौरारी गांव निवासी युवक अंकित सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। युवती का कहना है कि अंकित ने 2023 में उससे शादी का वादा करके संबंध बनाया। युवती ने जब अंकित सिंह पर शादी करने का दबाव बनाया तो वह मुकर गया। आरोपी अंकित ने उल्टे लड़की के चरित्र पर सवाल उठा दिए। कहा- युवती के अन्य लोगों के साथ संबंध हैं। पीड़िता की शिकायत पर 23 जनवरी को थाना सरायलखंसी में आरोपी के खिलाफ यौन शोषण का मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में आरोपी अंकित सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

तब उसके सहकर्मी अंकित सिंह ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। इस संबंध में अभियोग दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया था।

मंत्री की फॉर्च्यूनर ने 3 को कुचला, 1 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

सुबेंद्र, मृतक

ललितपुर। ललितपुर जिले में भाजपा विधायक लिखी फॉर्च्यूनर ने बाइक सवार 3 युवकों को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो घायल हैं।

मंगलवार सुबह हादसे पर भड़के लोगों ने कार को घेर लिया और सड़क जाम कर प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। हादसा सोमवार रात करीब 12 बजे का है। लोगों का आरोप है कि गाड़ी यूपी सरकार के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ की पत्नी कस्तूरी देवी के नाम पर है। कार में मंत्री का बेटा और 4 अन्य लोग सवार थे। सभी नशे में धुत थे।

हादसे के वक्त कार की स्पीड 100 से ज्यादा थी। पीछे से आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार करीब 300 मीटर तक घिसटती चली गई। उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर पार्ट्स बिखर गए।

कार के एयरबैग खुल गए थे, इसलिए उसमें सवार लोगों को चोटें नहीं आईं। कार लॉक हो चुकी थी। पीछे का शीशा तोड़कर उसमें से लोग बाहर निकले। राहगीरों ने हादसे पर विरोध जताया तो मंत्री के बेटे ने बंदूक दिखाकर धमकाया और गाड़ी छोड़कर फरार हो गए।

हादसा जाखलौन थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा का है। बरखेड़ा के रहने वाले शिवेंद्र (18 साल) पुत्र राजू यादव, शंकर सिंह (45 साल) पुत्र इमरत सिंह यादव और अनुज (20 साल) पुत्र रतिभान यादव सुंदरकांड पाठ से लौट रहे थे।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल समूह में मनाया गया गणतंत्र दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल, मवाना रोड, एमआईईटी पब्लिक स्कूल, पल्लवपुरम तथा एमआईईटी पब्लिक स्कूल, जागृति विहार में 77वां गणतंत्र दिवस उत्साह, गरिमा एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन विष्णु शरण अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। समारोह में विद्यालय वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के पश्चात विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर राष्ट्रध्वज को नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट, देशभक्ति समूह गान, भावपूर्ण नृत्य, नाट्य प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर, जिमनास्टिक प्रदर्शन तथा हिंदी एवं अंग्रेज़ी भाषणों ने सभी को भावविभोर कर दिया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से संविधान की गरिमा, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, बलिदान और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मवाना रोड की प्रधानाचार्या रुपाली सहगल, पल्लवपुरम की प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा तथा जागृति विहार की प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को संविधान के मूल्यों को अपनाने, अनुशासन बनाए रखने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। समारोह का समापन राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं उत्साह के वातावरण में हुआ।

कोई भी पात्र मतदाता सूची से न छूटे : रोल प्रेक्षक, मण्डलायुक्त

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को आयुक्त/रोल प्रेक्षक अयोध्या मण्डल, अयोध्या राजेश कुमार द्वारा जनपद में समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मण्डलायुक्त के जनपद में आगमन पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मण्डलायुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर एसआईआर (विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण) के द्वितीय चरण में जारी नोटिसों की सुनवाई के

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मण्डलायुक्त/रोल प्रेक्षक ने की समीक्षा बैठक व निरीक्षण

दौरान मतदाताओं की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु सभी राजनीतिक दलों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई, जिससे अधिक से अधिक मतदाता निर्धारित तिथियों पर सुनवाई स्थलों पर पहुँच सकें। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित एसओपी के संबंध में भी अवगत कराया गया।

गणतंत्र दिवस पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा हजारों लोगों की सहभागिता

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विधानसभा रामनगर क्षेत्र में सोमवार को 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी के नेता व समाजसेवी गौरीकांत दीक्षित के नेतृत्व में एक विशाल और भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र को राष्ट्रप्रेम के रंग में सराबोर कर दिया। तिरंगा यात्रा की शुरुआत अमोलीकला से हुई, जो सूरतगंज क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए महादेवा मार्ग रामनगर होते हुए अमोलीकला के लिए प्रस्थान हुई।

तिरंगा यात्रा अपने निर्धारित समय और निर्धारित मार्ग पर विभिन्न गांवों, कस्बों और मुख्य चौराहों से होती हुई आगे बढ़ी। मार्ग के दोनों ओर खड़े लोगों ने तिरंगा यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया गया, जिससे माहौल और भी उल्लासमय हो गया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय हिंद जैसे गगनभेदी नारों से पूरा विधानसभा इलाका गूंज उठा। हाथों में तिरंगा लिए युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों ने अनुशासन और उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता की। देशभक्ति गीतों और नारों ने वातावरण को भावनात्मक बना दिया और हर वर्ग के लोगों में राष्ट्र के प्रति गर्व की भावना स्पष्ट दिखाई दी। इस अवसर पर भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि "गणतंत्र दिवस हमारे देश के संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम देश के प्रति प्रेम, त्याग और बलिदान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।"

तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ दिव्य प्रकाश शुक्ला, अनमोल मिश्र (एडवोकेट) रोशन शुक्ला, सुमित, शिवेश राजा, अनु, आनन्द सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, वरिष्ठ जन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता मौजूद रही।

30 हजार करोड़ की बात सुन चौंके अनिरुद्धाचार्य

माघ मेला में युवक ने 15 करोड़ देने की इच्छा जताई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के दौरान प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज की कथा में उस समय सब लोग हैरान रह गए, जब एक युवक ने मंच से खड़े होकर महाराज को 15 करोड़ रुपये दान देने की इच्छा जताई। युवक ने दावा किया कि वह करीब 30 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति का मालिक है और उसका 50 प्रतिशत हिस्सा सनातन धर्म के कार्यों में दान करना चाहता है।

कथा के दौरान युवक ने अनिरुद्धाचार्य महाराज से सवाल किया कि वह यह रकम उन्हें किस तरह दे सकता है। यह सुनकर महाराज जी खुद चौंक गए और युवक से पूछा कि वह क्या काम करता है। युवक ने जवाब दिया कि वह ट्रेडिंग करता है और बिटकॉइन में निवेश करता है। साथ ही उसने यह भी दावा किया कि उसने वर्ष 2022 में एफडी कराई थी, जिसकी वैल्यू अब 30 हजार करोड़ रुपये होने वाली है।

युवक की बातें सुनकर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालु अचंभित रह गए और माहौल में ठहाके गूंज उठे।

इस पर अनिरुद्धाचार्य महाराज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "हमें ये पैसे मत दो। अगर सच में इतना सामर्थ्य है तो इन पैसों से स्कूल खोलो, गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा दो, भारत के कोने-कोने में विद्यालय स्थापित करो और सेवा करो।"

गणतंत्र दिवस पर केएमयू में हुआ नशा हटाओ योगा बढ़ाओ का आव्हान

77वां गणतंत्र दिवस पर गूंजा वंदे मातरम्-वंदे मातरम् का उद्घोष

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस पर वंदे मातरम् वंदे मातरम्, मातरम्-मातरम् वंदे मातरम् के उद्घोष से पूरा कैम्पस देशभक्ति के रंग में नजर आया। केएमयू ने समस्त युवा पीढ़ियों के लिए नशा हटाओ योगा बढ़ाओ का आव्हान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवि के कुलाधिपति एवं जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा आज का दिन संविधान का निर्माण करने वाले सभी राष्ट्र भक्तों, सभी स्वतंत्रता सेनानियों और देश के लिए किसी भी रूप में अपना योगदान देने वाले राष्ट्र प्रेमियों को याद करने का है। भारत माता मां के रूप में सर्व धर्मों के लोगों की गलतियों को क्षमा करती है, विभिन्नताओं में एकता वाला देश भारत है। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा गुरू का सम्मान और आदर से ही विद्या प्राप्त होती है, शिक्षा को खरीदा जा सकता है लेकिन विद्या को नहीं। भगवान के बाद दूसरा पद गुरु का होता है।

विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा गणतंत्र दिवस हमें हमारे अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। विकसित भारत अभियान के लिए हम सभी को देश प्रति संकल्पित होना है। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को बताते हुए कुलाधिपति के कुशल नेतृत्व की प्रशंसा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने मुख्य अतिथि, विशेष अतिथियों सहित विश्वविद्यालयों के आंगुन्तकों का अभिनंदन करते हुए संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रहित के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के छात्र-छात्राएं ही कल के जिम्मेदार भारत के नागरिक हैं, जिन्हें देश की प्रगति में सकारात्मक भूमिका निभानी है।

वेटरिनरी कालेज के विभागाध्यक्ष डा. अजय प्रकाश ने कहा कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अंतर को समझाते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस नये भारत के उदय को दर्शाता है, जबकि गणंतत्र दिवस हमने जो उपलब्ध किया है उसे दुनिया को बताना है, इसके अलावा उन्होंने गणतंत्र दिवस के अन्य महत्व और कर्तव्य को समझाया।

66 कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ की। जिसके बाद विवि के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। छात्रों के जोश, उत्साह और आत्मविश्वास ने पूरे माहौल को देशप्रेम से भर दिया।

मां ने पतंग उड़ाने से रोका, छात्र ने जान दी

तमसा संकेत, एजेंसी

अनंत चौहान, मृतक

मेरठ। मेरठ में मां ने 9वीं के छात्र को पतंग उड़ाने से रोका, तो उसने जान दे दी। घर की दूसरी मंजिल के कमरे में उसका शव फंदे पर लटका मिला। वह 3 दिन से ज्यादा पतंग उड़ा रहा था। जिसकी वजह से मां ने उसे दोस्तों के सामने डांट दिया था।

इससे नाराज होकर सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह कमरे में गया। दोपहर 12.30 बजे जब उसके दोस्त कमरे में गए, तो उसका शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर अस्पताल भेजा। घटना नौचंदी थाना क्षेत्र के सेक्टर-3 शास्त्रीनगर की है।

अनंत चौहान (14) विद्या मंदिर स्कूल में 9वीं क्लास में पढ़ता था। अनंत के पिता विनय चौहान ड्राइवर हैं। मां और भाई- बहन है। परिवार सामान्य है। लड़के का स्कूल में बिहेव ठीक था। पढ़ने में भी वो ठीक था। पिता विनय चौहान ने बताया कि

मेरठ में दोस्तों के सामने डांट दिया था, दूसरी मंजिल पर शव लटका मिला

अनंत पिछले 3 दिन से लगातार पतंग उड़ा रहा था। बसंत पंचमी के दिन बारिश होने के बाद भी अनंत नहीं माना और पतंग उड़ाने छत पर पहुंच गया था। आज 26 जनवरी को छुट्टी के दिन भी अनंत सुबह से दोस्तों के साथ पतंग उड़ाने अपनी छत पर चला गया। बेटे को लगातार तीन दिन से पतंग उड़ाता देखकर मां नाराज हो गईं। उन्होंने दोस्तों के सामने अनंत को सुबह 11 बजे डांटा। कहा- अब तक तेरी पतंगबाजी पूरी नहीं हुई, जो अब भी पतंग ही उड़ा रहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

18 साल का इंतजार...

इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150% टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20–30% किया जाएगा।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि EU दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक GDP का करीब 25% और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं।

भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने ट्रेड डील को लेकर कहा कि यह भारत के लिए एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक समझौता है। इससे दुनिया के साथ भारत के व्यापार को नई दिशा मिलेगी। यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत और दूरदर्शी विदेश नीति का नतीजा है।

इस डील से 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा मिलेगा। यह भारत और यूरोप दोनों के लिए फायदे का सौदा है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए नए मौके खुलेंगे। अलग-अलग सेक्टरों में नौकरियां बढ़ेंगी, नई तकनीक और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय युवाओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

यह समझौता आम लोगों के लिए भी फायदेमंद है। कृषि निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महिलाओं के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे।

एफटीए से 43...

उन्होंने कहा कि भारत–EU फ्री ट्रेड एग्रीमेंट दुनिया को साफ संदेश देता है कि आज की ग्लोबल चुनौतियों का सबसे अच्छा जवाब आपसी सहयोग है, न कि अलग-थलग होकर फैसले लेना।

डील से आत्मनिर्भर...

अलग-अलग सेक्टरों में नौकरियां बढ़ेंगी, नई तकनीक और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय युवाओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। यह समझौता आम लोगों के लिए भी फायदेमंद है। कृषि निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महिलाओं के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे।

यूजीसी के नए नियमों...

रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजी हैं।

यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया। UGC के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसते हुए X पोस्ट में लिखा- चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं होगा। किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं होगा। वहीं नियम के खिलाफ वकील विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें नियम पर रोक, सभी छात्रों के लिए समान अवसर, इक्विटी हेल्पलाइन सुविधाएं देने की मांग की गई है।

यूजीसी के नए नियमों...

ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि, नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है।

बजट सत्र से पहले...

विपक्ष को बोलने की आजादी है, लेकिन सुनना भी जरूरी है। उन्होंने मनरेगा की जगह लाए गए VB-G RAM-G कानून पर चर्चा की मांग खारिज कर दी।

लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की वर्तमान में संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां जांच कर रही हैं।

2026-27 का बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार नौवां बजट होगा। वित्त मंत्री 7.4% विकास दर और अनिश्चित जियो पॉलिटिक्स के बीच 1 फरवरी को लोकसभा में बजट पेश करने वाली हैं। यह मोदी 3.0 सरकार का तीसरा पूर्ण बजट होगा।

बजट सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अस्थायी रूप से तीन दिन (2 से 4 फरवरी) तय हैं। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा।

हंगामे की भेंट चढ़ा...

मतदान की प्रक्रिया तुरंत रोक दी गई। वकीलों में काफी आक्रोश फैल गया। वे हाईकोर्ट परिसर के अंदर ही नारेबाजी करने लगे।

लखनऊ समेत 17 जिलों में आज बार काउंसिल के चुनाव चल रहे हैं। वकीलों को शाम 5 बजे तक मतदान करना था, लेकिन लखनऊ में शाम 4 बजे ही मतदान प्रक्रिया रुक गई। वकीलों के हंगामे के बाद रिटर्निंग ऑफिसर न्यायमूर्ति एआर मसूदी ने केवल लखनऊ परिसर का चुनाव स्थगित कर दिया।

बरेली के सिटी..

अलंकार अग्निहोत्री ने गणतंत्र दिवस पर इस्तीफा दिया था। इसकी वजह UGC का नया कानून और अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई बताई थी। उन्होंने 5 पेज का लेटर भी लिखा था। इसके बाद शाम साढ़े 7 बजे अग्निहोत्री डीएम अविनाश सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे थे।

बाहर आने पर सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा- मुझे डीएम आवास में 45 मिनट बंधक बनाकर रखा गया। SSP के कहने पर छोड़ा गया। हालांकि, ADM ने आरोपों को गलत करार दिया। रात 11 बजे अग्निहोत्री ने सरकारी आवास खाली कर दिया। वे बरेली में ही हैं और अपने परिचित के यहां रुके हैं।

कानपुर में PCS अलंकार अग्निहोत्री के भाई राजेश अग्निहोत्री ने कहा- अलंकार बहुत होनहार छात्र रहा है। वह UGC के नए नियमों से दुखी था। नए नियम ब्राह्मणों और सवर्णों के खिलाफ हैं। सरकार इन नियमों को वापस ले। पता नहीं सरकार की क्या मंशा है।

कानपुर की कैंट सीट से सपा विधायक हसन रूमी ने बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट के इस्तीफे को शुरुआत बताया। उन्होंने कहा- अभी तो जाने कितने प्रशासनिक अधिकारी ऐसे हैं। जो सरकार के कामकाजों पर सवाल खड़ा करते हैं पर बोल नहीं पाते।

अयोध्या जीएसटी...

48 साल के प्रशांत कुमार ने इस्तीफे के बाद पत्नी से फोन पर बात की और फूट-फूटकर रोने लगे। प्रशांत मूलतः मऊ जिले के सरवा गांव के रहने वाले हैं। उन्हें सहारनपुर में पहली ज्वॉइनिंग मिली थी। कानपुर में असिस्टेंट कमिश्नर रहे। अयोध्या में पोस्टिंग 21 अक्टूबर, 2023 को हुई थी।

प्रशांत कुमार से बात करने के लिए GST अपर आयुक्त संतोष कुमार, एडीएम और एसपी सिटी उनके कार्यालय पहुंचे हैं।

ममता कुलकर्णी को...

इसके अलावा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से 2 सवाल भी पूछे थे-

किन्नर अखाड़े से निकाले जाने के सवाल पर ममता कुलकर्णी ने कहा- मैंने महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा दिया है। वास्तव में महामंडलेश्वर का पद कई साल के आध्यात्मिक अभ्यास और तपस्या से हासिल किया जाता है। मैंने देखा है कि सच्चा महंत या महामंडलेश्वर बनने के लिए कई साल तक ध्यान, तपस्या और आध्यात्मिक अनुशासन से गुजरना पड़ता है।

ममता कुलकर्णी ने कहा- मैं अभी भी काफी कठोर हूं। अभी मुझे इन सबसे मुक्त होना है। इतना सब कुछ चल रहा है। शंकराचार्य को ही देखो, उनको अहंकार हो गया है।

आजाद भारत के खिलाफ पहली सीरीज में पहनी थी, भारतीय गेंदबाज को गिफ्ट की थी

ब्रेडमैन की बैगी ग्रीन कैप 2.92 करोड़ में बिकी

नीलामी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई के महान क्रिकेट खिलाड़ी सर डोनाल्ड (डॉन) ब्रेडमैन की 'बैगी ग्रीन' कैप की नीलामी हुई है। गोल्ड कोस्ट में हुई इस नीलामी में एक अनाम खरीदार ने इसे 4,60,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 2.92 करोड़ रुपए) में खरीदा। यह वही कैप है, जिसे ब्रैडमैन ने 1947-48 में आजाद भारत के खिलाफ खेली गई पहली टेस्ट सीरीज के दौरान पहना था।

> लॉयड्स ऑक्शंस के सीओओ ली हेम्स ने इस कैप को 'क्रिकेट की दुनिया का सबसे अनमोल खजाना बताया। उन्होंने कहा, 'यह कैप तीन पीढ़ियों से ताले में बंद थी। परिवार का नियम था कि जब कोई सदस्य 16 साल का हो जाता था, तभी उसे सिर्फ 5 मिनट के लिए यह कैप देखने की इजाजत दी जाती थी।'

ब्रेडमैन ने यह कैप अपनी अंतिम घरेलू टेस्ट सीरीज (1947-48) के बाद भारतीय टीम के ओपनिंग गेंदबाज श्रीरंगा सोहनी (एस.डब्ल्यू. सोहनी) को गिफ्ट में दे दी थी। सोहनी परिवार ने इसे करीब 75 साल तक सुरक्षित रखा और कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया। इस खास कैप के अंदर D.G. Bradman (डोनाल्ड ब्रेडमैन) और S.W. Sohoni (श्रीरंगा सोहनी) के नाम लिखे हुए हैं। कैप पर ऑस्ट्रेलियाई प्रतीक के नीचे 1947-48 भी कढ़ाई से लिखा गया है। क्रिकेट जगत में अब तक ब्रेडमैन की ऐसी केवल 11 बैगी ग्रीन कैप्स की जानकारी है, क्योंकि उस दौर में खिलाड़ी हर सीरीज के लिए अलग कैप पहनते थे। नीलामी के इतिहास में सबसे महंगी बैगी ग्रीन कैप का रिकॉर्ड दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के नाम है। 2020 में वॉर्न की कैप करीब 5.90 करोड़ रुपए (10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) में बिकी थी। यह पैसा बुशफायर चैरिटी को दिया गया था। वहीं ब्रेडमैन की 1928 में डेब्यू वाली कैप 2020 में करीब 2.65 करोड़ रुपए में बिकी थी।

श्रीरंगा सोहनी ने फेंकी थी आजाद भारत की पहली गेंद

भारतीय क्रिकेटर श्रीरंगा सोहनी ने 1947-48 की सीरीज का केवल पहला टेस्ट मैच खेला था। हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने उस मैच की पहली गेंद फेंकी थी। यह आजाद भारत के क्रिकेट इतिहास की भी पहली गेंद थी। इसी मैच के बाद ब्रैडमैन ने अपनी कैप सोहनी को यादगार के तौर पर दे दी थी।

श्रीरंगा सोहनी के परिवार ने ब्रेडमैन की कैप को बेहद संभालकर रखा था।

सर डोनाल्ड ब्रेडमैन को क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है।

हार्दिक पंड्या के इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे

इमोशनल पोस्ट किया, लिखा- यह तो केवल शुरुआत है

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था।

पंड्या ने इस उपलब्धि को एक इमोशनल पोस्ट के जरिए शेयर करते हुए कहा कि यह दौर उनके लिए केवल शुरुआत है और वे अभी भी अपने करियर के अगले स्टेज की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि 10 साल की यह यात्रा उनके लिए सीख, संघर्ष और उपलब्धियों से भरी रही है, और वे देश के लिए खेलते हुए आगे भी और योगदान देना चाहते हैं।

पंड्या ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, आप सभी को मेरा प्यार, हर चीज के लिए धन्यवाद। धन्यवाद भगवान, उन सभी मुश्किलों और चुनौतियों के लिए जिनकी वजह से मैं यहां तक पहुंच पाया हूं। उन सभी लोगों के भरोसे के लिए। इस जिंदगी को जीने का मौका देने के लिए। इन सालों ने मुझे सिखाया है कि यह तो बस शुरुआत है। मैंने उन रास्तों पर अभी चलना शुरू ही किया है, जिस पर सचमुच में मैं चलना चाहता हूं।

उनके करियर में कई उपलब्धियां शामिल हैं। पंड्या ने भारत की टीम को 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में योगदान दिया, जहां उन्होंने कई अहम पारियां और गेंदबाजी प्रदर्शन दिए। दाहिने हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले एक दशक में एक प्रभावशाली सफर तय किया है।

नैट सिवर-ब्रंट ने डब्ल्यूपीएल का पहला शतक लगाया

मुंबई ने बेंगलुरु को 15 रन से हराया, हैली मैथ्यूज की फिफ्टी, 3 विकेट भी लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई इंडियंस (MI) की नैटली सिवर-ब्रंट ने विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) इतिहास का पहला शतक लगा दिया। सोमवार को वडोदरा में पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने 199 रन बना दिए। सिवर-ब्रंट ने 100 और हैली मैथ्यूज ने 56 रन बनाए। हैली ने गेंदबाजी में 3 विकेट भी लिए। बेंगलुरु ने फाइट दिखाई, लेकिन टीम 184 तक ही पहुंच सकी। कोटाम्बी स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी मुंबई ने तीसरे ही ओवर में सजीवन सजना का विकेट गंवा दिया। वे 7 रन ही बना सकीं। हैली मैथ्यूज ने फिर नैट सिवर-ब्रंट के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। हैली 39 गेंद पर 56 रन बनाकर आउट हुईं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर 20 और अमनजोत कौर 4 रन बनाकर आउट हुईं। अमीलिया कर 1 और सिवर-ब्रंट 100 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। टीम ने 4 विकेट खोकर 199 रन बना दिए। बेंगलुरु से लौरेन बेल ने 2 विकेट लिए। नदीन डी क्लर्क और श्रेयांका पाटील को 1-1 विकेट मिला।

200 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी RCB की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 35 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। ग्रेस हैरिस 15, कप्तान स्मृति मंधाना 6, जॉर्जिया वोल 9, गौतमी नायक 1 और राधा यादव खाता खोले बगैर आउट हो गईं।

विकेटकीपर ऋचा घोष ने फिर नदीन डी क्लर्क के साथ टीम को 50 के पार पहुंचाया। डी क्लर्क 28 रन बनाकर आउट हो गईं। अरुंधति रेड्डी 14 रन ही बना पाई, वहीं सयाली सातघरे खाता भी नहीं खोल सकीं। ऋचा ने फिफ्टी लगाकर टीम को टारगेट के करीब पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन टीम जीत से बहुत दूर रह गई।

ऋचा 90 रन बनाकर आउट हुईं, उनके सामने श्रेयांका पाटील ने 5 गेंद पर 12 रन बनाए। मुंबई के लिए हैली मैथ्यूज के अलावा शबनिम इस्माइल और अमीलिया कर ने 2-2 विकेट लिए। अमनजोत कौर को 1 विकेट मिला।

पाकिस्तानी मूल के सफयान शरीफ के वीजा पर फंसा पेंच, आईसीसी-बीसीसीआई मिलकर निकाल रहे समाधान

टी-20 वर्ल्डकप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित

> क्रिकेट स्कॉटलैंड को आईसीसी ने भरोसा दिलाया है कि वे भारतीय वीजा जल्द दिलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव के कारण अक्सर पाकिस्तानी मूल के नागरिकों को वीजा मिलने में देरी होती है। स्कॉटलैंड का पहला मैच 7 फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होना है।

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने सोमवार को अपने 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम को इसी हफ्ते भारत के लिए रवाना होना है, लेकिन पाकिस्तानी मूल के तेज गेंदबाज सफयान शरीफ समेत कुछ खिलाड़ियों के वीजा को लेकर सस्पेंस बना हुआ है।

क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी टुडी लिंडब्लेड ने कहा,'वीजा प्रक्रिया हमेशा थोड़ा अनिश्चित होती है, चाहे आपके पास 3 दिन हों या 45 दिन। पिछले 48 घंटों से हमारा पूरा ध्यान इसी पर है ताकि खिलाड़ी समय पर भारत पहुंच सकें। ICC इस मामले में BCCI और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। हमें पूरा भरोसा है कि मैच से पहले सभी को क्लीयरेंस मिल जाएगा।'

इस बार स्कॉटलैंड की टीम में 2024 वर्ल्ड कप के मुकाबले तीन बदलाव किए गए हैं।

जैनुल्लाह इहसानः अफगानिस्तान में जन्मे 19 साल के इस तेज गेंदबाज को पहली बार मौका मिला है।

स्कॉटलैंड को 2 और 4 फरवरी को बेंगलुरु में खेलना है प्रैक्टिस मैच

बेंगलुरु में वॉर्म-अप मैच टीम को भारत पहुंचने के बाद 2 और 4 फरवरी को बेंगलुरु में अफगानिस्तान और नामीबिया के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलने हैं। इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे। ग्रुप-बी में स्कॉटलैंड के साथ वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल की टीमें हैं। टॉप-2 टीमें सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टॉम ब्रूसः न्यूजीलैंड के लिए 17 टी-20 खेल चुके ब्रूस अब स्कॉटलैंड की जर्सी में दिखेंगे।

सफयान शरीफ का मामला अहम

तेज गेंदबाज सफयान शरीफ का जन्म इंग्लैंड के हडर्सफील्ड में हुआ था। उनके पिता पाकिस्तानी और मां ब्रिटिश-पाकिस्तानी हैं। वे 7 साल की उम्र में स्कॉटलैंड शिफ्ट हो गए थे। इसी पाकिस्तानी कनेक्शन की वजह से उनके वीजा में देरी की आशंका जताई जा रही है। स्कॉटलैंड ने एहतियात के तौर पर 2 ट्रैवलिंग और 3 नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व खिलाड़ी भी रखे हैं, ताकि किसी भी देरी की स्थिति में टीम मैदान पर उतर सके।

क्रिस सोल बाहरः 145 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकने वाले क्रिस सोल इस बार टीम का हिस्सा नहीं हैं। वे फिलहाल रिक्रूटमेंट सेक्टर में अपने करियर पर ध्यान दे रहे हैं।

स्कॉटलैंड का 15 सदस्यीय स्क्वॉडः

रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, ओली डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, जैनुल्लाह इहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैकक्रेथ, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफयान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैड व्हील। रिजर्व खिलाड़ीः जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस।

मनोरंजन

बॉर्डर-2 ने 250 करोड़ का आंकड़ा पार किया

मुंबई। सनी देओल और वरुण धवन स्टारर वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के महज चार दिनों में ही फिल्म ने दुनिया भर में 250 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली है। रिपब्लिक डे के मौके पर फिल्म को जबरदस्त फायदा मिला और कलेक्शन में बड़ा उछाल देखने को मिला। सैकनिल्क के मुताबिक, 26 जनवरी को यानी रिलीज के चौथे दिन 'बॉर्डर 2' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अकेले 59 करोड़ रुपए का बिजनेस किया। इस दिन हिंदी में फिल्म ऑक्यूपेंसी रेट 64.27% रही। इसके साथ ही फिल्म ने भारत में एक्सटेंडेड ओपनिंग वीकेंड के दौरान कुल 180 करोड़ रुपए नेट यानी 212.5 करोड़ रुपए ग्रॉस की कमाई कर ली है। वहीं इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म का जलवा बरकरार है। विदेशी बाजारों में फिल्म ने अब तक करीब 4.3 मिलियन डॉलर का कारोबार कर लिया है। इसके साथ ही चार दिनों में फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 251 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

> बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने चार दिनों में सिकंदर और रेड-2 के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ा

मुंबई मेट्रो अथॉरिटी ने एक्टर के वीडियो पर सेफ्टी वॉर्निंग जारी किया

मेट्रो में वरुण धवन को पुल अप करना पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। इसी बीच एक्टर एक अलग वजह से सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गए हैं।

दरअसल, शनिवार को वरुण ने ट्रैफिक से बचने के लिए मुंबई मेट्रो से सफर किया और एक सिनेमाघर में सरप्राइज विजिट करने पहुंचे थे।

वरुण ने मेट्रो से अपनी एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी शेयर की थी, जिसमें उन्होंने फैंस से पूछा था कि वो किस थिएटर जा रहे हैं। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल होने लगे, जिनमें वरुण मेट्रो कोच के अंदर ओवरहेड मेटल रॉड से लटककर पुल-अप करते नजर आए। वीडियो में उनके आसपास अन्य यात्री भी खड़े दिखे।

वीडियो सामने आने के बाद महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMMOCL) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इस पर रिएक्शन दिया है।

'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही

फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं मोना सिंह, सोनम बाजवा, अनन्या सिंह और मेधा राणा भी फिल्म का हिस्सा हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म, जेपी दत्ता की 1997 की सुपरहिट वॉर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है और इसकी कहानी 1971 भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म अब तक वर्ल्डवाइड 250 करोड़ रुपए का बिजनेस कर चुकी है।

वीडियो के साथ कैप्शन लिखा गया, "इस वीडियो के साथ आपकी एक्शन फिल्मों की तरह डिस्क्लेमर होना चाहिए था, @Varun_dvn। महा मुंबई मेट्रो में ऐसा करने की कोशिश न करें। दोस्तों के साथ मेट्रो में 'हैंग आउट' करना ठीक है, लेकिन ये ग्रैब हैंडल लटकने के लिए नहीं होते। इस तरह के काम मेट्रो रेलवे (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) एक्ट, 2002 के तहत न्यूसेंस फैलाने और/या प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने से जुड़ी धाराओं के तहत दंडनीय हैं।

रिजेक्शन का किस्सा शेयर कर एक्टर बोले- बड़े हिंदी डायरेक्टर ने लुक्स के कारण फिल्म से निकाला

हैंडसम होने के कारण नकुल मेहता हुए थे रिजेक्ट

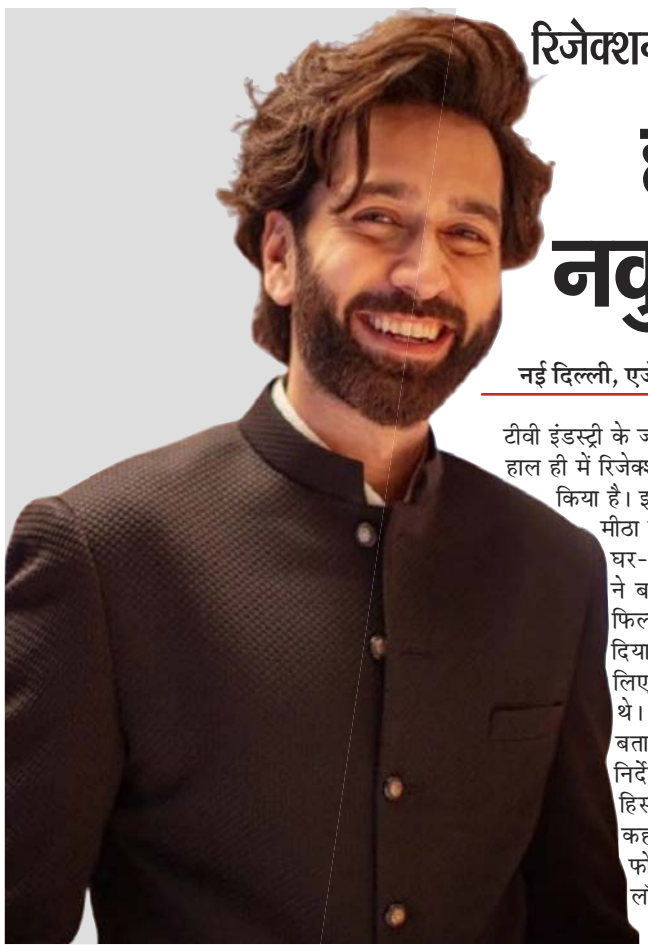

> एक्टर के हालिया काम की बात करें तो वो हाल ही में वेब सीरीज 'स्पेस जेन-चंद्रयान' में नजर आए थे। ळश के बैनर तले बनी इस सीरीज को अरुणाभ कुमार ने डायरेक्ट किया है। सीरीज में नकुल के साथ श्रिया सरन अहम भूमिका में दिखीं।

नई दिल्ली, एजेंसी

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर नकुल मेहता ने हाल ही में रिजेक्शन से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है। इश्कबाज और प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा जैसे हिट शो से घर-घर पहचान बनाने वाले नकुल ने बताया कि उन्हें एक बड़ी हिंदी फिल्म से सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया, क्योंकि वो उस रोल के लिए "बहुत ज्यादा गुड लुकिंग" थे। एक इंटरव्यू में नकुल ने बताया कि वो एक फेमस निर्माता-निर्देशक की फिल्म के सीक्वल का हिस्सा बनने वाले थे। उन्होंने कहा, "सब कुछ तय हो चुका था। फोटोशूट हो गया था, डेट्स भी लॉक थीं।

मैं एक एक्टिंग वर्कशॉप में था, तभी डायरेक्टर का फोन आया। उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में सोचा और मुझे लगता है कि तुम इस किरदार के लिए कुछ ज्यादा ही गुड लुकिंग हो।"

यह सीरीज भारत के चंद्रयान-2 मिशन की असफलता से लेकर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता तक की कहानी को दर्शाती है। शो को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है और यह फिलहाल जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।

राजस्थान के एक राजकुमार का किरदार निभाना था

नकुल ने आगे बताया कि उन्हें राजस्थान के एक राजकुमार का किरदार निभाना था। इस वजह से उन्हें यह बात और भी अजीब लगी।

उन्होंने कहा, "मैं सोचता रहा कि मेरे लुक्स का उस किरदार से क्या लेना-देना है। बाद में मुझे लगा कि शायद उनके पास कोई और वजह नहीं थी, इसलिए ऐसा कह दिया।" नकुल ने यह भी खुलासा किया कि वो फिल्म कभी बन ही नहीं पाई और हाल ही में वो डायरेक्टर जेल भी जा चुका है।

9 महीने के इंतजार के बाद ओटीटी पर आ गई सस्पेंस से भरी फिल्म

नई दिल्ली। ओटीटी पर दर्शकों की पहली च्वाइस ऑडियंस की या तो क्राइम थ्रिलर फिल्में हैं या फिर सस्पेंस। हर हफ्ते फैंस को दो जोनर की फिल्मों और सीरीज का सबसे ज्यादा इंतजार करते हैं, जो उन्हें थिएटर्स में मिले या न मिले, लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर मिल ही जाती हैं। 9 महीने के लंबे इंतजार के बाद अब एक ऐसी ही फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसका सस्पेंस एकदम धांसू है और क्लाइमेक्स तो दर्शकों को अपनी सीट छोड़ने ही नहीं देगा।

जिस फिल्म की बात हम कर रहे हैं, उसकी कहानी एक तेज तर्रार और व्यवस्थित पुलिस ऑफिसर की है, जो अब तक कई कॉम्प्लेक्स और अनसुलझे केस को सुलझा चुका है। उसका नया असाइंमेंट उसे सीरियल किलर की एक रोंगटे खड़े कर देने वाली श्रृंखला में फंसा देता है, जो केस शुरुआत में देखकर मामूली सा लगता है, लेकिन बाद में जब उसकी छानबीन आगे बढ़ती है, तो पुलिस ऑफिसर के सामने मर्डर और रहस्यमयी स्कूल 'ट्विन बर्ड' की एक ऐसी घटना सामने आती है, जो उसे हिलाकर रख देती है।

जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, फिल्म में सीरियल किलर की साइकोलॉजिकल टेंशन, मैनिपुलेशन, ट्रॉमा और एक हिडन पैटर्न सामने आता है। 2 घंटे 15 मिनट की पूरी फिल्म में मिस्ट्री दिखाई गई है। इम्पेक्टफुल एक्शन सीक्वेंस के साथ फिल्म में भरपूर सस्पेंस वाली ये फिल्म तमिल ड्रामा 'इलेवन' है।

नवीन चंद्र फिल्म में पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं।

> 2 घंटे 15 मिनट की मूवी का क्लाइमेक्स है जबरदस्त

दुनिया को डराने वाले ट्रम्प यूरोप के आगे झुके

27 देशों ने 'ट्रेड बाजूका' की धमकी दी ■ घबराए ट्रम्प ने 10% टैरिफ हटाया

दबाव

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्विट्जरलैंड के दावोस में हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में जिस तरीके से यूरोपीय देशों की खिल्ली उड़ाई, उसी से साफ हो गया है कि वे इन्हें कितनी अहमियत देते हैं।

इसी बैठक से यूरोप को एक अहम सबक भी मिला। दावोस ने यूरोप को सिखाया कि जब सभी देश मिलकर सीमाओं और संप्रभुता की रक्षा करते हैं, तो बड़े देशों के दबाव का मुकाबला किया जा सकता है।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर भी नरमी बरती और कहा कि इस पर कब्जा करने के लिए ताकत का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने यूरोपीय देशों पर जो 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, उससे भी पीछे हट गए।

इस कानून का मकसद यह है कि अगर कोई देश EU या उसकी कंपनियों पर गलत तरीके से दबाव बनाए (जैसे टैरिफ लगाकर धमकाना), तो EU उसके जवाब में सख्त आर्थिक कदम उठा सके।

साल 2021 की बात है। यूरोपीय देश लिथुआनिया ने ताइवान को अपनी राजधानी विल्नियस में रिप्रेजेंटेटिव ऑफिस खोलने की इजाजत दे दी। इससे चीन नाराज हो गया। उसे लगा कि लिथुआनिया, ताइवान के इंटरनेशनल दर्जे को बढ़ावा दे रहा है।

चीन ताइवान को अपनी ही एक प्रांत मानता है और ऐसे किसी कदम को वन चाइना पॉलिसी का उल्लंघन मानता है। इसके बाद चीन ने लिथुआनिया और उससे जुड़े EU सामानों के व्यापार को रोक दिया।

यूरोपीय यूनियन को इस घटना से सीख मिली। उसे लगा कि कि कोई भी बड़ा देश भविष्य में इसी तरह उसके सदस्य देशों या कंपनियों

उस देश के निवेश पर पाबंदी लगा सकता है

यानी कि अगर यूरोपीय यूनियन चाहे तो अपने 45 करोड़ लोगों वाले बड़े बाजार का दरवाजा ही बंद कर सकता है। इससे सामने वाले देश की कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अगर यह कदम उठाया गया तो इससे अमेरिकी कंपनियों और अमेरिका की अर्थव्यवस्था को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

मिलकर लड़ें तो बड़े देशों से लड़ा जा सकता है

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, देशों की सीमाएं और उनकी आजादी यूरोप की सोच की बुनियाद है। यह समझ दूसरे विश्व युद्ध के बाद बनी, जब बड़ी ताकतों के जमीन हड़पने की जिद की वजह से लाखों लोग मारे गए। उस अनुभव से यूरोप ने सीखा कि छोटे देशों को बड़ी ताकतों से बचाने का सबसे अच्छा तरीका सब मिलकर एक-दूसरे की सीमाओं की रक्षा करना है।

> ट्रम्प ने जब इन देशों पर 1 फरवरी से 10% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो, यूरोप ने अमेरिका पर 'ट्रेड बाजूका' लगाने की धमकी दी।
>
> इसका मतलब साफ था कि यूरोप भी पूरी ताकत से जवाबी आर्थिक कदम उठाने के लिए तैयार है। आखिरकार दुनिया को टैरिफ से डराने वाले ट्रम्प को यूरोपीय यूनियन (ईयू) के 27 देशों के आगे झुकने पड़ा।

■ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 20 जनवरी को दावोस इकोनॉमिक फोरम में अमेरिका पर ट्रेड बाजुका का इस्तेमाल करने की धमकी दी थी।

यूरोप को अब अमेरिका पर पहले जैसा भरोसा नहीं

CNN के मुताबिक, EU नेताओं को भले ही एक हफ्ते की कूटनीतिक उठा-पटक के बाद थोड़ी राहत मिली हो, लेकिन किसी को नहीं लगता कि हालात फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। व्हाइट हाउस ने अब तक डेनमार्क के साथ ग्रीनलैंड को लेकर किसी समझौते का ब्योरा नहीं दिया है। अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत अब भी यूरोप के लिए अहम है। यूरोप खुद अभी रूस से अकेले लंबे युद्ध पर दबाव बना सकता है। दिसंबर 2021 से 'एंटी-कोएर्शन इंस्ट्रूमेंट' कानून को बनाने की शुरुआत हुई। ताकि अगर कोई देश व्यापार या निवेश के जरिए यूरोप पर दबाव डाले, तो EU उसके खिलाफ सख्त आर्थिक कदम उठा सके। दिसंबर 2023 में यह कानून बनकर तैयार हो गया। यूरोप के लिए अपनी सीमाओं और अपनी आजादी की रक्षा सबसे अहम बात है। के लिए तैयार नहीं है। ट्रम्प अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए जाने जाते हैं, इसलिए कई देश उनसे सीधा टकराव नहीं चाहते। हालांकि EU के भीतर अब यह सोच मजबूत हो रही है कि उसे अमेरिका की मर्जी पर निर्भर रहने के बजाय खुद को ज्यादा आजाद और मजबूत बनाना होगा, खासकर रक्षा के मामले में। कुछ देशों ने माना कि ट्रम्प को खुश करने की नीति अब काम नहीं करेगी।

फास्ट न्यूज

हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी का अलर्ट

केलंग। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण जनजीवन पर भी असर पड़ रहा है। भारी बर्फबारी को देखते हुए लाहुल स्पीति में जिला प्रशासन ने शिक्षण संस्थानों में अवकाश की घोषणा कर दी है। कार्यवाहक उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहुल एवं स्पीति कुनिका एकर्स ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

'आज के दिन देश को आजादी मिली थी'

नगीना (बिजनौर)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगीना के स्थानीय सपा विधायक मनोज कुमार पारस द्वारा 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के स्थान पर स्वतंत्रता दिवस का संदर्भ देकर देशवासियों को देश की आजादी (स्वतंत्रता) की बधाई देने का वीडियो वायरल हुआ है। गणतंत्र दिवस के बाद स्थानीय सपा विधायक मनोज कुमार पारस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वाययरल होने के बाद चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें विधायक कह रहे हैं कि '26 जनवरी के पावन पर्व पर मैं समस्त देशवासियों को प्रदेशवासियों को जनपदवासियों और खास तौर पर अपने विधानसभा क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देता हूं।

तेजस्वी के आरजेडी चीफ बनते ही रोहिणी ने कर दिया नया खुलासा

पटना। बीती 25 जनवरी को तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) को राष्ट्रीय जनता दल का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुन लिया गया। तेजस्वी यादव ही अब आधिकारिक रूप से पार्टी की कमान संभालेंगे। पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद तेजस्वी के पिता लालू प्रसाद यादव के पास था।

सेंसेक्स 319 चढ़कर 81,857 के स्तर पर बंद

तेजी

मुंबई, एजेंसी

■ निफ्टी भी 126 अंक चढ़ा, मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 3% की तेजी रही

शेयर बाजार आज यानी 27 जनवरी (मंगलवार) को तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 319 चढ़कर 81,857 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 126 अंक चढ़ा, ये 25,175 के स्तर पर बंद हुआ।

मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 3% की तेजी रही। PSU बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी 1% से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 30 में से 18 शेयरों में तेजी और 12 में गिरावट देखने को मिली। एक्सिस बैंक, अडाणी पोर्ट्स और टेक महिंद्रा के शेयरों में 5% तक की तेजी रही। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर्स में 3% तक की गिरावट रही।

शेयर मार्केट में शुक्रवार 23 जनवरी को गिरावट रही थी। सेंसेक्स 770 अंक गिरकर 81,538 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में 241 अंक की गिरावट रही, ये 25,048 पर बंद हुआ था।

यूरोपीय नेता बस सपने देख रहे, अगर अकेले चलना है तो डिफेंस बजट बढ़ाएं

अमेरिका के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकता : नाटो

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

NATO के महासचिव मार्क रुट ने सोमवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक रुट ने कहा कि अगर वे वास्तव में अकेले ही ऐसा करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षा खर्च को 10% तक बढ़ाना होगा, अपनी परमाणु क्षमता का निर्माण करना होगा, जिसकी लागत अरबों यूरो होगी। अभी NATO के खर्च में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है, जो देशों की GDP का औसतन 2% है। रुट ने ट्रम्प के आर्कटिक क्षेत्र और ग्रीनलैंड की मजबूत रक्षा की रणनीति का समर्थन किया। रुट ने यह भी कहा कि उन्होंने ट्रम्प को उनकी बढ़ती धमकियों से पीछे हटने के लिए मनाया और ग्रीनलैंड को लेकर समझौते की दिशा में ले जाने की कोशिश की। ट्रम्प ने 21 जनवरी को दावोस में रुट के साथ ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत की थी। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेता इस बात से नाराज हो गए थे कि ट्रम्प और रुट उनके पीठ पीछे ग्रीनलैंड के भविष्य पर बात कर रहे हैं। यूरोपीय संसद के कई सदस्यों ने रुट से पूछा कि उन्होंने ट्रम्प से ठीक क्या चर्चा की और इसका डेनमार्क व ग्रीनलैंड पर क्या असर होगा।

■ नाटो के महासचिव मार्क रुट ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय देशों को अपना रक्षा बजट बढ़ाना चाहिए।

रुट ने ट्रम्प की बात दोहराई कि चीन और रूस आर्कटिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा, "ट्रम्प बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, मैं जानता हूं कि इससे कई लोग चिढ़ रहे हैं।" आर्कटिक रक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि "ट्रम्प सही हैं।"

यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने से पीछे हटे थे ट्रम्प

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाने से पीछे हट गए थे। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया था।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी NATO चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और NATO के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा।

■ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में कहा था कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा अमेरिका के अलावा कोई और देश नहीं कर सकता।

नाटो के अनुच्छेद 5 के तहत एक-दूसरे की रक्षा करते सदस्य देश

NATO के अनुच्छेद 5 के तहत किसी नाटो सदस्य देश पर हमला होता है, तो इसे सभी सदस्य देशों पर हमला समझा जाएगा। फिर सभी सदस्य देश मिलकर उस हमले का जवाब देने के लिए सहमत होते हैं। हालांकि, यह युद्ध की गारंटी नहीं देता।

कहा- उन्होंने हमारी ट्रेड डील मंजूर नहीं की, कोरिया बोला- हमें इसकी जानकारी नहीं

ट्रम्प ने साउथ कोरिया पर 25% टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साउथ कोरिया के सामानों पर 25% टैरिफ लगा दिया है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ कोरिया पिछले साल हुए ट्रेड डील पर ठीक से अमल नहीं कर रहा है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि साउथ कोरिया पर 15% से बढ़ाकर 25% टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ कारों, लकड़ी, दवाओं और बाकी उत्पादों पर लागू होगा।

अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2024 में साउथ कोरिया ने अमेरिका को करीब 132 अरब डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपए) का सामान

■ ट्रम्प का कहना है कि साउथ कोरिया की संसद इस समझौते को मंजूरी देने में देर कर रही है, जबकि अमेरिका ने समझौते के मुताबिक अपने टैरिफ तेजी से कम किए हैं।

एक्सपोर्ट किया। इसमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद प्रमुख हैं। टैरिफ बढ़ने से इन साउथ कोरियाई सामानों की कीमतें अमेरिका में बढ़ सकती हैं।

साउथ कोरिया ने कहा है कि उसे टैरिफ बढ़ाने के फैसले की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। साउथ कोरिया ने इस मुद्दे पर अमेरिका से तुरंत बातचीत की मांग की है।

साउथ कोरिया ने यह भी बताया कि उसके उद्योग मंत्री किम जंग-क्वान, जो इस समय कनाडा में हैं, जल्द से जल्द वॉशिंगटन जाएंगे और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात करेंगे। सियोल और वॉशिंगटन के बीच पिछले साल अक्टूबर में एक व्यापार समझौता हुआ था। इसके तहत दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया था। इस निवेश का एक हिस्सा जहाज निर्माण क्षेत्र में जाना था।

दोनों देशों के बीच ट्रेड डील हुई थी

ट्रम्प ने कहा कि साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यांग और मैंने 30 जुलाई 2025 को दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमति बनाई थी। मैंने 29 अक्टूबर 2025 को कोरिया में रहते हुए इस समझौते को दोहराया था। कोरियाई संसद ने इसे मंजूरी क्यों नहीं दी? उन्होंने हमारे ऐतिहासिक व्यापार समझौते को लागू नहीं किया है, जो उनकी जिम्मेदारी है।

उस समझौते में ट्रम्प ने दावा किया था कि साउथ कोरिया, अमेरिका में 350 अरब डॉलर (करीब 29 लाख करोड़ रुपए) का निवेश करेगा, जिस पर कंट्रोल अमेरिका का रहेगा।

'हमारे देश को नुकसान पहुंचाना ही एकमात्र एजेंडा'

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने फिर पाकिस्तान को सुनाया

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है। भारतीय राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से पाकिस्तान को घेरा है। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ फैलाने से लेकर जम्मू कश्मीर, आतंकवाद समेत 27वें संशोधन पर पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए कहा, ₹हमारे देश (भारत) और हमारे लोगों को नुकसान पहुंचाना पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा है। पाकिस्तान पहले ही ऑपरेशन सिंदूर पर झूठे दावे कर चुका है।

बेकरी भूल जाएंगे बच्चे, जब घर पर ही बनेंगी एगलेस चॉकलेट चिप

हरीश ने कहा, 9 मई 2025 तक पाकिस्तान लगातार भारत पर हमले करने की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई को अचानक पाक सेना ने भारतीय सेना से संपर्क किया और सीजफायर करने की गुजारिश की। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह कर दिए थे। टूटे हुए रनवे और जले हैंगर्स की तस्वीरें भी सार्वजनिक की गईं थीं।

हरीश ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा पाकिस्तान के प्रतिनिधि सबकुछ सामान्य होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन मैं एक बार फिर दोहराना चाहता हूं कि जब तक उनके देश में आतंकवाद है, तब तक कुछ भी सामान्य नहीं हो सकता है। पाकिस्तान आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत के खिलाफ इस्तेमाल करता रहा है। ये बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का सदन पाकिस्तान के लिए आतंकवाद को वैधता देने का मंच नहीं बन सकता है। भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है।

अलर्ट : 20 इंच तक बर्फ गिरी, स्कूल-हाईवे बंद, 7 लाख घरों में बिजली गुल, 8 हजार फ्लाइट कैंसिल हुए

अमेरिका में बर्फीला तूफान, 30 लोगों की मौत

लंदन, एजेंसी

अमेरिका में रविवार से जारी बर्फीले तूफान ने देशभर में हालात बिगाड़ दिए है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों और राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इमरजेंसी घोषित कर रखा है।

नेशनल वेदर सर्विस (NWS) के मुताबिक, तूफान लगभग 3,220 किलोमीटर के एरिया में फैला है। करीब 21 करोड़ यानी दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में है। डेली मेल के मुताबिक न्यूयॉर्क समेत देशभर में अब तक 30 लोगों की जान गई है।

देश के कई इलाके में 12 से 20 इंच तक बर्फ गिरी, जिससे हाईवे बंद हो गए, उड़ानें रद्द हुईं और स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गईं। सोमवार शाम तक करीब 7 लाख घर बिना बिजली के रहे। फ्लाइटअवेयर के

माइनस 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा तापमान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों में इमरजेंसी घोषित किया है। फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (FEMA) ने कई राज्यों में जरूरी सामान, स्टाफ और सर्च एंड रेस्क्यू टीमों को तैनात किया है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि राज्य को सालों में सबसे लंबी ठंड और सबसे ज्यादा बर्फबारी के लिए तैयार रहना होगा। कनाडा की सीमा के पास के इलाकों में पहले ही रिकॉर्ड 0C से नीचे है। वॉटरटाउन में तापमान -37 डिग्री सेल्सियस और कोपेनहेगन में -45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

अनुसार सोमवार को देशभर में 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। शुक्रवार से अब तक 31,000 से अधिक उड़ानें बाधित हो चुकी हैं। वहीं, रविवार को 10,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुई हैं। एक्स्पर्ट्स का कहना है कि फ्लाइट कैंसिल और देरी की समस्या कई दिनों तक बनी रह सकती है। होचुल ने कहा कि हमारे राज्य पर आर्कटिक तूफान का असर हुआ है। यह बेहद कड़ा, हड्डियों को जकड़ने वाला है। अमेरिका के कई राज्य इस समय भीषण ठंडी हवाओं से जूझ रहे हैं।

बिजली आने में हफ्तों लग सकते है

अमेरिका का टेनेसी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां रविवार दोपहर तक लगभग 3.37 लाख घरों और व्यवसायों में बिजली नहीं थी।

लुइसियाना और मिसिसिपी में 1 लाख से ज्यादा घरों में बिजली नहीं थी। केंटकी, जॉर्जिया, अलबामा और वेस्ट वर्जीनिया में भी लाखों घर बिजली के बिना है। बर्फ और बर्फीली बारिश से पेड़ और पावर लाइन टूट गए। टिप्पाह इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि नुकसान बड़ा है। वापस बिजली सप्लाई शुरू करने में कई सप्ताह लग सकते हैं। टेनेसी वैली अथॉरिटी ने कहा कि मुख्य पावर सिस्टम स्थिर है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में बिजली दिक्कत जारी है।

सोना 5 हजार महंगा 1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल 27 दिन में 1.12 लाख महंगी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम आज (27 जनवरी) अब तक के अपने सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 4,717 रुपए बढ़कर 1,59,027 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,54,310 रुपए/10g पर था।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 24,802 रुपए बढ़कर 3,42,507 रुपए पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 3,17,705 रुपए किलो थी। इस साल अब तक सिर्फ 27 दिनों में ही ये 1.12 लाख रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल जनवरी के 27 दिन में ही चांदी 1,12,087 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक

किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 3,42,507 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

वहीं, सोने की कीमत 25,832 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 3,42,507 रुपए हो गया है।

ग्लोबल टेंशन और 'ग्रीनलैंड' विवादः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96